हरिभूमि
इस्पात भूमि
रायपुर, शनिवार 21 मार्च 2026

तापमान
अधिकतम 37.4 डिग्री
न्यूनतम 18.8 डिग्री

[भिलाई | दुर्ग | भिलाई-3 | कुम्हारी | जामुल | उतई | सेलूद | पाटन | अहिवारा | मुरमुंदा | धमधा | अण्डा | जामगांव - आर]

12 एसईएसबीएफ को बंद करने के विरोध में सीटू ...

13 गूंजेंगे पारंपरिक जस गीत और सप्तमी ...

न्यु
हर 6000/- की खरीदी पर एक चांदी का सिक्का फ्री
ओम ज्वेलर्स
शुभ खरीदी के लिए ओम ज्वेलर्स परिवार में आपका स्वागत है
• मिनीमम एमाउंट में बुकिंग करें • जितना सोना उतना चांदी फ्री
शुद्ध सोने एवं चांदी के जेवरों के विक्रेता
टोटल हालमार्क ज्वेलरी उपलब्ध
जवाहर मार्केट, मेन सर्विस रोड, पावर हाऊस, भिलाई SUNDAY OPEN
संबंधित प्रतिष्ठान : ओम ज्वेलर्स
शॉप नं. 64 बी इंदिरा मार्केट, दुर्ग | बाजार चौक, कुम्हारी | रिसाईपारा, धमतरी

Agarwal's
MN JEWEL Purity & Trust
इस नवरात्री में करें, सबसे सुरक्षित निवेश !!
MAKING CHARGE
15% off* on 925 Silver
Flat 6%* on Plain Gold Jewellery
100% Gold Exchange
Light Weight Collection & Hall Mark Jwellery
इस त्यौहार के दौरान प्रत्येक खरीदी पर निश्चित उपहार
पता: घड़ी चौक के बाजू, जी.ई. रोड, सुपेला-भिलाई. 78801 92230 - 31
* T&C Apply
Deepak Advts.

सोमवार से ठेका एजेंसी एलमेक को 33 वार्डों की फिर से कमान

रिसाली में ठेका विवाद : मंत्रालय ने एमआईसी के फैसले को प्रक्रिया के तहत नहीं पाया, सफाई ठेका दो माह बढ़ा

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिलाई

रिसाली निगम के ठेका विवाद के बीच नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्रालय ने शुक्रवार को एक आदेश जारी किया है। इस आदेश में न केवल सफाई ठेका एजेंसी मेसर्स एलमेक टेक्नोंक्रेटैस की अनुबंध अवधि दो महीने बढ़ाई है बल्कि रिसाली निगम की एमआईसी के पारित संकल्प को भी विधिक प्रकिया के अनुरूप नहीं पाया है। वहीं प्लेसमेंट कर्मचारियों के काम की समय अवधि भी बढ़ा दी गई है। इस आदेश के बाद रिसाली निगम प्रशासन द्वारा ठेका एजेंसी को आदेशित करेगी और सोमवार से निगम के 33 वार्डों में सफाई व्यवस्था बहाल हो जाएगी।

इसलिए एमआईसी का पारित संकल्प विधिक प्रक्रिया के अनुरूप नहीं

महापौर शशि सिन्हा की एमआईसी ने 13 मार्च को बैठक ली। इस बैठक में यह संकल्प पारित किया गया है कि सफाई व्यवस्था रिसाली निगम स्वयं करेगी। इस पारित संकल्प में आठ एमआईसी मेंबरों में से चार एमआईसी मेंबरों ने अपने हस्ताक्षर नहीं किए। नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्रालय ने वर्ष 2020 में आदेश जारी किया है कि कुशल/ अर्द्धकुशल/ अकुशल कर्मचारी मात्र प्लेसमेंट पर, विहित प्रकियानुसार प्रतिस्पर्धा से चयनित प्लेसमेंट एजेंसी से ही कार्य पर रखे जाएंगे। इसके एवज में नियमित / संविदा या अन्य विधि से कोई नियुक्ति नहीं की जाएगी। इस नियम का एमआईसी ने पालन नहीं करते हुए संकल्प पारित किया। इसलिए पारित संकल्प को विधिक प्रक्रिया के अनुरूप नहीं पाया।

प्लेसमेंट कर्मियों की 14 मार्च से ही कार्य अवधि बढ़ाई

नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्रालय के आदेशानुसार प्लेसमेंट कर्मियों को 14 मार्च से 13 मई यानी दो माह की समयावृद्धि की है। आदेश में कहा है कि महापौर परिषद द्वारा पारित संकल्प विधिक प्रक्रिया के अनुरूप नहीं होने के कारण नगर पालिक निगम, रिसाली क्षेत्रांतर्गत आने वाले वार्डों में स्कोप ऑफ वर्क अंतर्गत नाली, सड़क, बाजार, सीवरेज एवं अन्य सफाई कार्य हेतु पूर्व में जारी निविदा अंतर्गत अनुबंधित एजेंसी कार्य करेगी।

हरिभूमि लगातार

रिसाली निगम में अब तक नहीं सुलझा सफाई ठेका विवाद
33 वार्डों में जगह-जगह बन गए ट्रेंचिंग स्पॉट कचरे की बदबू से बेहाल होने लगी जनता
रिसाली निगम में बवाल 33 वार्डों में सफाई काम पूरी तरह ठप
650 सफाई कर्मियों ने मेयर का निवास घेरा, फिर मेयर आयुक्त केबिन के सामने धरने पर बैठीं, टेंशन बढ़ा तो अस्पताल में भर्ती

आज भी एजेंसी ने दी स्वयंसेवा

सफाई ठेका विवाद के बीच एजेंसी एलमेक ने दूसरे दिन रिसाली निगम के 27 वार्डों में सफाई कार्य को स्वयंसेवा के तहत अंजाम दिया। नालियों की सफाई की गई। घरों में श्रमिकों को भेजकर कचरा कलेक्शन करवाया। रिसाली, मरोदा क्षेत्र की सड़कों की सफाई करवाई गई। मार्केट और रिहायशी क्षेत्रों में डंप कचरे को जेसीबी से उठवाकर वाहन में भरकर ट्रेंचिंग ग्राउंड तक ले जाया गया। नवरात्र पर्व व हिंदू नववर्ष के मद्देनजर कई भाजपा व कांग्रेस पार्षदों के आग्रह पर दो दिन यानी 19 व 20 मार्च तक एजेंसी ने सफाई कार्य शुरू की थी।

भाजपा ने कहा-कमीशनखोरी पर तमाचा

नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्रालय के जारी आदेश के बाद भाजपा पार्षदों ने तीखा हमला बोला है। नेता प्रतिपक्ष शैलेंद साहू, भाजपा पार्षद धमेंद्र भगत आदि ने कहा है कि शहर की साफ सफाई हम सबकी पहली जिम्मेदारी है। इसलिए भाजपा पार्षदों ने मिलकर दुर्ग ग्रामीण के विधायक ललित चंद्राकर के माध्यम से यह मांग की थी की सफाई व्यवस्था नियमानुसार बनी रहे। जिसका आदेश नगरी निकाय मंत्री व प्रदेश के उपमुख्यमंत्री अरुण साव के माध्यम से आ गया। पार्षदों ने विधायक चंद्राकर व मंत्री साव का आभार माना है। उन्होने कहा है रिसाली क्षेत्र में रहने वाले लोगों को चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं। सफाई लगातार चलती रहेगी ये महापौर के नियम विरुद्ध कार्य और कमीशन खोरी पर राज्य सरकार का करारा तमाचा है।

गांजे के साथ दो युवक गिरफ्तार

ढाई लाख का सामान जब्त

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिलाई

गांजा बेचने वाले दो युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपियों से पुलिस ने 2.975 किलो ग्राम गांजा जब्त किया है। उतई पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर ग्राम पतोरा तालाब पार के पास 2 बाइक सवार में मादक पदार्थ गांजा रखकर बेचने निकले थे। पुलिस ने दोनों आरोपियों को ग्राहक की प्रतीक्षा कर रहे हैं। आरोपियों के कब्जे से 2.975 किलोग्राम गांजा बरामद किया गया। सूचना पर पुलिस ने दीपशिखा स्कूल के पास पतोरा निवासी मिलेश कुमार प्रजापति, हथखोज पारा निवासी नंद कुमार यादव को गिरफ्तार किया गया है। गांजे की कीमत करीब ढाई लाख रुपए आंकी गई है। आरोपियों के पास से पुलिस ने गांजा 2.975 किलो ग्राम 1.50 लाख और बाअइक जब्त की है। बाइक की कीमत 60 हजार रुपए, तीन मोबाइल 30 हजार कुल 2.40 लाख रुपए का उक्त सामान जब्त किया है। उतई थाना प्रभारी महेश ध्रुव समेत अन्य पुलिस कर्मी मौजूद थे।

online Booking:-www.tripuryatra.com
स्लीपर मात्र 16,500/
12 ज्योतिर्लिंग
स्पेशल ट्रेन से 29 जुलाई से 08 अगस्त 2026 तक
रिजर्वेशन कोच
13 मई, 10 जून 2026 (11 दिन)
7 ज्योतिर्लिंग यात्रा
श्री द्वारिकाधीश, श्री द्वारिकाभेंट, श्री शिरडी सांई बाबा, महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, ओंकालेश्वर ज्योतिर्लिंग, सोमनाथ ज्योतिर्लिंग, नागेश्वर ज्योतिर्लिंग, घृनेश्वर ज्योतिर्लिंग, त्रयंबकेश्वर ज्योतिर्लिंग, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग, श्री शनि सिंघनापुर
राशि:-स्लीपर 16,500/-, 3 एसी- 27,500/-, 2 एसी- 32,500/- (+5%GST)
Since-2007
श्री त्रिपुर तीर्थ यात्रा सेवा समिति
RAIPUR: D-36, Sector-4, Kamal Vihar, KORBA- Shop No. 301,302,303 S.S. Plaza, Power House Road
संपर्क करें:-7354-411411

नवरात्रि विशेष

तृतीय : चंद्रघंटा

मां दुर्गा का तीसरा शक्ति स्वरुप है चंद्रघंटा। नवरात्रि के तीसरे दिन मां के इसी रुप का पूजन होता है। माता का यह रुप परम शांतिदायक और कल्याणकारी है। इनके माथे पर घंटे के आकार का अर्धचंद्र है। इसी से इन्हें चंद्रघंटा देवी कहा जाता है। इनके शरीर का वर्ण सोने के समान है। उनके दस हाथ हैं। इनका वाहन सिंह है। इनकी पूजा से भक्तों में वीरता, निर्भयता और विनम्रता आती है। नवरात्रि के तीसरे दिन की पूजा का अत्यधिक महत्व माना जाता है। हमें मन-वचन-कर्म और काया की विधि विधान के अनुसार पवित्र करके ही मां की पूजा करनी चाहिए। इससे संसार के सारे कष्ट मिटते हैं और साधक को मोक्ष की प्राप्ति होती है। तीसरे नवरात्र को भक्त का मन मणिपुर चक्र में प्रविष्ट होता है। मां की कृपा से उसे अलौकिक वस्तुओं की प्राप्ति होती है। विविध प्रकार की ध्वनियां सुनाई देती है। मां की कृपा से सारे पाप और संकट दूर होते हैं। इनके घंटे की आवाज प्रेत बाधाओं से सदा भक्तों की रक्षा करती है। मां चंद्रघंटा के भक्त जहां भी जाते हैं। उन्हें देखकर अन्य व्यक्ति सुख और शांति का अनुभव करते हैं। मां अपने आशीर्वाद से भक्तों को सदैव शुभफल देने वाली है। माता के इस रुप की आराधना का मंत्र इस प्रकार है।
पिंडजप्रवरारुढ़ा चंडकोपास्त्रकैर्युता।
प्रसादं तनुते महाचंद्रघंटेति विश्रुता ॥

बड़े भाई से कहासुनी बहन ने लगाई फांसी

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिलाई

बड़े भाई के साथ कहासुनी होने पर चौथी की छात्रा बहन ने घर पर फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। शिकायत पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पीएम के लिए अस्पताल भेज दिया है। मर्ग कायम कर जांच में लिया है। जामुल थाना प्रभारी रामेन्द्र सिंह ने बताया कि गणेश नगर वार्ड 5 जामुल निवासी गुरप्रीत कौर उर्फ खुशी 10 वर्ष अपने बड़े भाई 17 वर्ष के साथ किसी बात को लेकर काहसुनी गुरुवार की शाम को हो गई। आक्रोश में आकर खुशी अपने कमरे में भागकर अपनी चुन्नी को फांसी का फंदा बनाकर झूल गई। इधर बड़ा भाई आराम से खाना निकालकर टीवी देखते हुए खा रहा था। भाई ने जब आवाज लगाया लेकिन खुशी की तरह से कोई हलचल नहीं होने पर दौड़ते हुए कमरे की ओर गया। जहां खुर्सी फांसी के फंदे पर लटकी मिली। परिजन व आसपास के लोगों की मदद से फंदे से खुशी को उतारकर अस्पताल उपचार के लिए

पहुंचाया गया। लेकिन डॉक्टर ने चेक कर उसे मृत घोषित कर दिया। मृतका स्वामी आत्मानंद स्कूल जामुल की छात्रा थी। उसके पिता वाहन चालक और मां ब्यूटी पार्लर में काम करती है। दोनों ही घटना के समय घर पर नहीं थे। स्थानीय लोगों के मुताबिक घटना के समय बच्ची अपने भाई के साथ थी। तभी किसी बात को लेकर भाई से कहासुनी हो गया था। कहासुनी को लेकर बहन नाराज और दुखी हो गई। फिर छात्रा ने कमरे को अंदर से बंद कर टेबल लगाकर चुनरी के सहारे पंखे से फांसी लगा ली।

स्टॉक में गड़बड़ी, गोल्डन गैस एजेंसी के 965 सिलेंडर जब्त

हरिभूमि न्यूज ▸▸| दुर्ग

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण संचालनालय, नवा रायपुर से प्राप्त निर्देशों के परिपालन में जिले में घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडरों तथा पेट्रोल-डीजल की उपलब्धता एवं आपूर्ति व्यवस्था की सतत निगरानी की जा रही है। इसी परिपेक्ष्य में पद्मनाभपुर स्थित गोल्डन भारत गैस की निरंतर शिकायतें प्राप्त होने पर खाद्य विभाग के जांच दल ने शुक्रवार को जांच की।

खाद्य नियंत्रक अनुराग भदोरिया के अनुसार गोल्डन गैस एजेंसी एक भागीदार फर्म है, जिसके 2 भागीदार मोहन लाल ध्रुव एवं अंशुमन मढरिया है। जांच में भौतिक सत्यापन में स्टॉक में अंतर पाये जाने के आधार पर घरेलू गैस सिलेंडर (14.2 किग्रा) खाली 838 नग एवं भरे 48 नग, व्यावसायिक सिलेंडर (19 किग्रा) खाली 63 नग तथा 5 किग्रा सिलेंडर 22 नग (खाली) भागीदार अंशुमन मढरिया से जब्त किया गया। प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि जिले में एलपीजी गैस तथा पेट्रोल-डीजल की आपूर्ति व्यवस्था सुचारू रूप से बनी रहे, जिससे आम नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मंगल समोसा सेंटर में मिला 22 घरेलू सिलेंडर

खाद्य विभाग की टीम ने सेक्टर-6 ए मार्केट स्थित मंगल समोसा प्रतिष्ठान पर घरेलू गैस के दुरुपयोग एवं अवैध भंडारण के मामले में खाद्य विभाग ने कार्यवाही की है। जांच के दौरान यहां से कुल 22 नग गैस सिलेंडर जब्त किए गए। मंगल समोसा सेंटर में घरेलू उपयोग के लिए निर्धारित गैस सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग किया जा रहा था, जो नियमों के विरुद्ध है। इसके आधार पर कार्रवाई की गई।

आवश्यकता है
हरिभूमि छत्तीसगढ़ का नंबर 1 अखबार
दुर्ग - भिलाई शहर
सीनियर प्रसार प्रतिनिधि
05 पद
शैक्षणिक योग्यता स्नातक
समाचार पत्र में प्रसार विभाग में
कार्य अनुभव 2 साल
वेतन 15000 + 2000/-
दिनांक - 20 मार्च से 23 मार्च 2026
समय - सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक
नोट : प्रसार वृद्धि के लिये टीम तैयार करने वाले को प्राथमिकता
ऑनलाईन आवेदन भी कर सकते हैं।
cir.haribhoomi@gmail.com
हरिभूमि कार्यालय, धमतरी रोड, टिकरापारा, रायपुर

अगले चार दिन में पारा 4 डिग्री गिरेगा

अंधड़ और हल्की बारिश का बन रहा सिस्टम

हरिभूमि न्यूज ▸▸| भिलाई

मार्च महीने की शुरुआत में पारा खूब तपने लगा था। हाल यह था कि पारा 39 डिग्री से पार चला गया था, लेकिन 18 मार्च से यह अचानक बदला है। दो दिनों से अचानक तेज हवाएं चलने लगती है और शाम को काले बादल मंडराने लगते हैं। दुर्ग जिले के कई इलाकों में हल्की बूंदा-बादी और कहीं अलसुबह 4 बजे ओले भी कुछ गिरे। शुक्रवार को सुबह से बदली की स्थिति रही। दोपहर नम हवाएं चली और शाम-रात को ऐसा लगने लगा कि कभी भी बारिश न हो जाए। मौसम विभाग के हिसाब से 21 मार्च को प्रदेश के कई हिस्से में अधंड़ चल सकती है। हल्की बारिश भी हो सकती है। आने वाले चार दिनों में 4 डिग्री सेल्सियस तक पारा लुढ़क सकता है।

दुर्ग का पारा प्रदेश में सर्वाधिक 37.4 डिग्री सेल्सियस

मौसम विभाग के मुताबिक दुर्ग जिले का पारा प्रदेश के अन्य जिलों की तुलना में सबसे ज्यादा 37.4 डिग्री सेल्सियस रहा है। न्यूनतम तापमान 18.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। जो सामान्य से 2 डिग्री सेल्सियस कम है। जिस हिसाब से खाड़ी में सिस्टम बन रहा है उस हिसाब से आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में लगातार गिरावट आएगी।

पश्चिमी विक्षोभ का असर

मौसम विभाग के मुताबिक एक पश्चिमी विक्षोभ उत्तर पाकिस्तान से दक्षिण पश्चिम मध्य प्रदेश तक पंजाब होते हुए 3.1 किलोमीटर से 12.6 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक प्रेरित ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण हरियाणा के ऊपर 1.5 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है। एक द्रोणिका उत्तर पश्चिम मध्य प्रदेश और उससे लगे दक्षिण उत्तर प्रदेश के ऊपर स्थित चक्रीय चक्रवाती परिसंचरण से होते हुए नागालैंड तक झारखंड, उत्तर गंगेटिक पश्चिम बंगाल, दक्षिणी असम से होते हुए 0.9 किलोमीटर ऊंचाई तक विस्तारित है।

किसानों को आवंटित जमीन आदेश के बाद हाउसिंग बोर्ड को हस्तांतरित, भड़के किसान

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

ग्राम धनोरा में बड़ी प्रशासनिक लापरवाही सामने आई है। इस क्षेत्र में वर्ष 1975-76 में करीब 12 एकड़ जमीन 8 किसानों को कमाने-खाने के लिए दी गई थी। वर्तमान में इस जमीन को हाउसिंग बोर्ड को एक तरफा आदेश के बाद महौल गरमा गया है। इसे लेकर पिछले दो दिन से प्रशासन की टीम किसानों का कब्जा हटाने के लिए ग्राम धनोरा पहुंच रही है, जहां गतिरोध पैदा हो गया है। किसानों ने बताया कि उनके पूर्वजों में केशव राम साहू, बैसाखू साहू, बगस यादव, इतवारी, श्रीराम यादव, बालीराम यादव, राम प्यारे, मानसिंह को जमीन आवंटित की गई थी। वर्तमान में प्रकरण संभाग आयुक्त के पास लंबित है।

वर्ष 1975-76 में कास्तगार जमीन का किया गया था आवंटन

मामला संभागायुक्त के पास विचाराधीन

2025 में कलेक्टर ने एकतरफा आदेश जारी करते हुए हाउसिंग बोर्ड को जमीन हस्तांतरित कर दी। इसके बाद सूचना प्रकाशन, नामांतरण की प्रक्रिया पूरी कर ली गई। सीमांकन तक करा लिया गया। 19 और 20 मार्च को बलात जगह पर अतिक्रमण बताकर किसानों को खदेड़ने की कोशिश की गई। जबकि मामला संभाग आयुक्त के पास विचाराधीन है।

इसमें 24 अप्रैल को सुनवाई भी होनी है, बावजूद प्रशासन एकतरफा कार्रवाई कर रहा है।

गांव के राजेंद्र साहू ने बताया कि 1975 से लगातार उनके पूर्वज उक्त जमीन में खेती-किसानी करते आ रहे हैं। 2022 में अचानक इस जमीन को हाउसिंग बोर्ड को दिए जाने का निर्णय लिया गया। उसी साल ग्राम सभा की बैठक में उक्त जमीन को हाउसिंग बोर्ड को नहीं दिए जाने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। इसके बाद एक और ग्रामसभा की बैठक में तसीलदार, राजस्व अधिकारियों की मौजूदगी में ऐसे ही प्रस्ताव को पारित किया गया। बावजूद इसके जमीन को हाउसिंग बोर्ड को दे दिया गया। इसके बाद गांव के लोगों ने तहसील, एसडीएम से लेकर कलेक्टर कोर्ट में लड़ाई लड़ी।

खबर संक्षेप

रणजीत बने भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य

भिलाई। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश नेतृत्व द्वारा रणजीत सिंह ठाकुर राजा को भाजपा व्यापारी प्रकोष्ठ, छत्तीसगढ़ का प्रदेश कार्य समिति सदस्य नियुक्त किया गया है। वे पूर्व में भारतीय जनता युवा मोर्चा में प्रदेश स्तर पर विभिन्न पदों पर दायित्व निभा चुके हैं। उनके संगठनात्मक अनुभव और सक्रिय कार्यशैली को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। ठाकुर ने इस दायित्व के लिए पार्टी के प्रदेश नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूर्ण प्रयास करेंगे तथा व्यापारी वर्ग की समस्याओं के समाधान के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे। उन्होंने विशेष रूप से सांसद विजय बघेल, प्रदेश मंत्री अमित साहू और प्रमोद सिंह के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए उनके मार्गदर्शन को अपनी कार्यशैली की प्रेरणा बताया।

धर्म स्वतंत्रता विधेयक 2026 सशक्त संकल्प : नितेश

दुर्ग। छत्तीसगढ़ विधानसभा में पारित धर्म स्वतंत्रता विधेयक 2026 का भाजपा प्रवक्ता नितेश साहू ने स्वागत करते हुए कहा कि यह कानून केवल एक विधेयक नहीं, बल्कि प्रदेश की संस्कृति, परंपरा और सामाजिक संतुलन की रक्षा का सशक्त संकल्प है। यह विधेयक स्पष्ट रूप से निर्धारित करता है कि बल, प्रलोभन, दबाव, झूठी जानकारी या कपटपूर्ण तरीकों से धर्म परिवर्तन कराना पूर्णतः प्रतिबंधित होगा। साथ ही स्वैच्छिक धर्म परिवर्तन के लिए पारदर्शी प्रक्रिया, पूर्व सूचना एवं आपत्ति दर्ज कराने की व्यवस्था यह सुनिश्चित करती है कि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि पर पूर्ण रोक लगे। इस कानून में अवैध धर्मांतरण पर 7 से 10 वर्ष तक की सजा और न्यूनतम 5 लाख रुपये जुर्माना, जबकि महिलाओं, नाबालिगों एवं अनुसूचित जाति-जनजाति के मामलों में 10 से 20 वर्ष तक की सख्त सजा का प्रावधान किया गया है। सामूहिक धर्मांतरण के मामलों में आजीवन कारावास तक की सजा और भारी जुर्माना इस कानून को और अधिक प्रभावी बनाता है। उन्होंने इसके लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, मंत्री गजेंद्र यादव सहित पूरे मंत्रीमंडल का आभार व्यक्त किया है।

गांजा के साथ अधेड़ को किया गिरफ्तार

भिलाई। गांजा के साथ अधेड़ को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर रिसाली सेक्टर भिलाई स्थित ब्लॉक 298 एल के सामने अवैध रूप से गांजा बेचा जा रहा था। मुखबिर की सूचना पर रिसाली सेक्टर निवासी कविराज लीमा को पुलिस ने पकड़ा गया। आरोपी के पास से 3.554 किलोग्राम मादक पदार्थ मिला। जिसकी कीमत 1.75 लाख रुपए आंकी गई है। नेवई पुलिस ने कहा कि नसे को लेकर कोई भी जानकारी मिलने करने पर कोई भई दस्तावेज निकाले । कार्रवाई में निरीक्षक अनिल कुमार साहू समेत उनकी टीम का योगदान रहा है।

बोरिया गेट पर की नारेबाजी, निर्णय वापस नहीं लेने पर दी आंदोलन की चेतावनी

एसईएसबीएफ को बंद करने के विरोध में सीटू का प्रदर्शन, कर्मियों के 24 सौ करोड़ जोखिम के हवाले

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

एसईएसबीएफ (सेल इंप्लाई सुपर एनुवेशन बेनिफिट फंड) के प्रबंध न्यासियों की 2 फरवरी 2026 को कोलकाता में हुई बैठक की कार्यवाही और उसके बाद प्रबंधन द्वारा जारी किये गए परिपत्र का विरोध करते हुए सीटू ने शुक्रवार को बोरिया गेट में प्रदर्शन किया। बीएसपी के औद्योगिक संबंध विभाग के माध्यम से सेल के निदेशक कार्मिक को दिये ज्ञापन में इस विषय पर तत्काल एनजेसीएस की बैठक बुलाकर कर्मचारियों के हितों की रक्षा सुनिश्चित करने की मांग की। सेल के कार्मिकों के मासिक अंशदान को एनपीएस में डालने से उन्हें पेंशन का नुकसान होगा। कर्मियों के हितो की रक्षा नहीं की गई तो आंदोलन किया जाएगा। सीटू नेताओं ने कहा कि देश की केंद्रीय यूनियनों के व्यापक विरोध के बाद भी पहले 15 प्रतिशत अंशदान को एनपीएस में डलवाया और अब उनके खून पसीने की कमाई के एसईएसबीएफ पैसे को भी एनपीएस में डलवा देने से पेंशन का नुकसान होगा। सेल के कामगारों को सेवानिवृत्ति के बाद केवल सीपीएफ ग्रेच्युटी मिलता था, पेंशन का कोई भी प्रावधान नहीं था। पेंशन के उद्देश्य से 1994 में एनजेसीएस मंच की मांगों के फलस्वरुप सामाजिक सुरक्षा उपाय के रूप में एसईएसबीएफ ट्रस्ट 25 सितंबर 1994 को सेल कर्मचारियों के हितार्थ अस्तित्व में आया व एसईएसबीएफ ट्रस्ट गठन सेल तथा केंद्रीय ट्रेड यूनियनों, सेफी और संयंत्रों की मान्यता प्राप्त यूनियनों के प्रतिनिधियों के बीच हुआ था। कोष सदस्यों के मासिक वेतन से 2% अंशदान द्वारा तथा कुछ अवसरों पर कंपनी द्वारा पीएलबीएस के नाम पर योगदान से बनाया गया था। कोष का संचालन ट्रस्ट डीड एवं विधिवत निर्मित और लागू ट्रस्ट नियमों के प्रावधानों के अनुसार न्यासी मंडल द्वारा किया जाता रहा है। वर्ष 2025-26 के लिए ब्याज दर 8.0% घोषित की गई, पिछले वर्ष के समान है।

'कर्मियों के वेतन के फंड के बाद अब एसईएसबीएफ को भी एनपीएस में डालना है अवैध'

तत्काल बुलाएं एनजेसीएस की बैठक

सीटू नेता ने कहा कि एसईएसबीएफ ट्रस्ट नियमों के अनुसार न्यासी स्वयं किसी प्रबंध समिति का गठन कर ट्रस्ट को बंद करने की प्रक्रिया तय करने के लिए अधिकृत नहीं हैं। इस प्रकार का कोई भी निर्णय या उसके बाद की कार्रवाई ट्रस्ट डीड के विरुद्ध तथा अवैध है, जिनका कर्मचारियों की सामाजिक सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। इसीलिए केवल एनजेसीएस ही ऐसे महत्वपूर्ण मामलों पर निर्णय लेने के लिए अधिकृत है।

कर्मियों की सहमति के बिना फंड ट्रांसफर अवैधानिक: प्रदर्शन के दौरान सीटू नेताओं ने कहा कि पिछले 15 दिनों से शेयर मार्केट लगातार गिर रहा है लोगों के 62 लाख करोड़ रुपए मार्केट में डूब चुके हैं, ऐसे में एसईएसबीएफ ट्रस्ट को बंद करके उसके पैसे को एनपीएस में डालने का मतलब है कि कर्मचारियों की मेहनत के जमा 2400 करोड़ रुपए को बाजार जोखिम के हवाले कर देना है। इस मामले मे प्रबंधन अब तक ना तो सर्वसम्मति बन पाया है ना ही उन कर्मचारियों से पूछना अथवा विकल्प देना चाहता है, जिनका पैसा एकत्रित होकर इस फंड में जमा हुआ है।

कर्मियों के पैसे को बाजार में खपा रही सरकार: सीटू नेताओं ने कहा कि केंद्र सरकार लगातार कर्मियों के पैसे को बाजार के हवाले कर रही है। सबसे पहले सीपीएफ के पैसे में से 5% से 15% तक मार्केट में डालने का निर्णय लेकर सभी एक्जम्प्टेड ट्रस्ट पर थोप दिया। सेल के कामगारों के लिए बना पेंशन ट्रस्ट को समाप्त करवा कर कर्मचारियों के 6% और अधिकारियों के 9% से जमा हो रहे फंड को एनपीएस में डलवा दिया । अब एसईएसबीएफ के पैसे को भी एनपीएस के हवाले कर देना चाहता है।

अंशदान को एनपीएस में डालने से नुकसान

सीटू नेताओं ने कहा कि 15 जुलाई 2024 को आयोजित एसईएसबीएफ की बैठक में एसईएसबीएफ के मासिक अंशदान व कोष को एनपीएस में ट्रांसफर करने के प्रस्ताव का सीटू/एसडब्लूएफआई ने विरोध किया। बावजूद यही प्रस्ताव 3 सितंबर 2025 को हुई ट्रस्ट बैठक में पुनः प्रस्तुत किया गया। यूनियन ने पुनः विरोध कर अध्यक्ष, एसईएसबीएफ को भी लिखित रूप में सूचित किया। बावजूद, प्रबंधन ने अड़ियल रुख अपनाते हुए और 2 फरवरी 2026 को आयोजित ट्रस्ट बैठक में एसईएसबीएफ को समाप्त करने का प्रस्ताव दोहराया। इस प्रस्ताव पर सहमति नहीं बन सकी और बाद में प्रबंधन द्वारा आपत्तिजनक रिकार्ड नोट व परिपत्र से एसईएसबीएफ को खत्म करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई।

पंजाब बार सील करने पहुंची टीम तब जमा कराया टैक्स

हरिभूमि न्यूज ⏭ दुर्ग

- लंबे समय तक नहीं जमा कराया 2.25 लाख टैक्स

न्यू बस स्टैंड स्थित पंजाब बार को सील करने के लिए शुक्रवार को निगम की टीम पहुंची। सीलबंदी की कार्रवाई से बचने के लिए उसने तत्काल पांच वर्षों का लंबित अनुज्ञा शुल्क, कुल 2 लाख 25 हजार रुपये जमा कराया। निगम के अधिकारियों ने बताया कि पंजाब बार ने पिछले पांच वर्षों से अनुज्ञा शुल्क जमा नहीं किया था। नगर निगम द्वारा इस संबंध में तीन बार नोटिस जारी किया, लेकिन संचालक की ओर से न तो कोई जवाब दिया गया और न ही शुल्क जमा करने की पहल की गई।

लगातार अनदेखी के चलते निगम प्रशासन को सख्त कदम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ा। आयुक्त सुमित अग्रवाल ने स्पष्ट कहा कि नगर निगम की आय से जुड़े मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी। सभी बकायादारों को समय पर अपने कर एवं अनुज्ञा शुल्क जमा करना अनिवार्य है, अन्यथा उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई के दौरान राजस्व निरीक्षक चंदन मनहरे, अतिक्रमण अधिकारी परमेश्वर, पवन नायक, तिलक नवरंग, आशीष तिवारी, मुकेश पटेल सहित निगम का अमला उपस्थित था।

निगम ने बुलडोजर चलाकर नकटा तालाब को कराया अतिक्रमण मुक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिलाई

- कई सालों से तालाब की मेड़ में करके रखा था कब्जा

भिलाई नगर निगम के जोन 2 अंतर्गत वार्ड 22 कुरूद में स्थित नकटा तालाब के ऊपर से निगम ने बुलडोजर चलाकर अतिक्रमण को पूरी तरहे से हटा दिया है। निगम ने यहां पहले भी कई बार अतिक्रमण तोड़ने की कार्रवाई की, लेकिन बार बार लोग यहां फिर से जगह को घेरकर झोपड़ी बना ले रहे थे। इस बार निगम की टीम पहुंची और वहां अतिक्रमण को पूरी तरह से जमीदोज कर दिया। इस दौरान जामुल पुलिस भी मौके पर मौजूद रही।

आपको बता दें कि कुरूद ढांचा भवन के पास स्थित नकटा तालाब काफी बड़े आकार है। यहां लोग अतिक्रमण करके धीरे धीरे इसकी मेड़ में घर की बाउंड्रीवाल, दुकान और घर तक बना लिए हैं। हालत यह है कि यहां लोगों को छठ पूजा करने में भी परेशानी हो रही थी। अराजक तत्वों का जमावड़ा होने से शाम होते ही यह क्षेत्र नशे का अड्डा बन जाता था। हरिभूमि ने लोगों की मांग पर इस खबर को प्रमुखता से उठाया। इसके बाद आप पार्टी के नेता जसप्रीत सिंह ने भी इसकी शिकायत कलेक्टर और मुख्यमंत्री तक से की। इसके बाद निगम आयुक्त राजीव पाण्डेय के निर्देश पर जोन आयुक्त येशा लहरे ने एआरओ प्रशन्न तिवारी के नेतृत्व में एक टीम को भेजा। लगभग 5-6 लोगों की टीम शुक्रवार शाम को जेसीबी लेकर पहुंची और पूरे अतिक्रमण को हटाया।

तालाब के मेड़ से रोड को हटाने होगी कार्रवाई

आपको बता दें कि तालाब के ठीक नीचे कुछ भू माफियाओं ने अवैध प्लॉटिंग की और वहां आने जाने के लिए तालाब की मेड़ के ऊपर से रोड काटकर उसे ले-आउट में दर्शा दिया था। हालत यह हो गई थी कि कंस्ट्रक्शन का सामान रेत, गिट्टी सीमेंट आदि लेकर आने वाले ट्रकों के चलने से तालाब के ऊपर लगे पेवर ब्लाक उखड़ गए और पूरा मेड़ खराब हो गया था। इसके बाद निगम की टीम ने इस रास्ते को मिट्टी पाटकर बंद किया है। जोन आयुक्त येशा लहरे का कहना है कि उन्होंने निगम आयुक्त से फंड मांगा है। जल्द ही इस सड़क के सामने तार घेरा करके यहां छोटा सा गार्डन बना देंगे।

नाम परिवर्तन

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं एल नवीन कुमार उम्र 28 वर्ष पिता एल जोगा राव निवासी पता-क्वाटर नम्बर 20, ब्लॉक नम्बर 03, सड़क-14, सेक्टर-02, भिलाई नगर, जिला दुर्ग (छ.ग.) पिन-490001 यह शपथ करता हूँ कि मेरी माता का पुराना नाम सी पूर्रणवती C PORNAVATI को त्याग कर नया नाम एल पूर्रणवती राव L POORNAVATI RAO रख ली है। अतः आज से समस्त शासकीय, अर्धशासकीय व अन्य दस्तावेजों में मेरी माता का नये नाम एल पूर्रणवती राव L POORNAVATI RAO से ही जाना पहचाना जावे।

एल नवीन कुमार
पिता एल जोगा राव
निवासी पता-क्वाटर नम्बर 20,
ब्लॉक नम्बर 03, सड़क-14,
सेक्टर-02, भिलाई नगर,
जिला दुर्ग (छ.ग.) पिन 490001
मो. नं. 91318 04264

खबर संक्षेप

भक्त माता कर्मा जयंती समारोह कल सेलूद में

सेलूद। स्थानीय साहू समाज सेलूद के तत्वावधान में भक्त माता कर्मा की 1010 वीं जयंती का आयोजन 22 मार्च रविवार को किया गया है। जिसमें पूजा अर्चना सुबह 10 बजे से सामुदायिक कर्मा भवन सेलूद में होगी। अतिथि आगमन एवं उदबोधन शाम 4 बजे से होगा। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लालेश्वर साहू अध्यक्ष तह. साहू संघ पाटन और अश्वनी साहू महामंत्री जिला साहू संघ दुर्ग होंगे। अध्यक्षता किशन हिरवानी अध्यक्ष परि. साहू संघ अरसनारा करेंगे। विशिष्ट अतिथि चंद्रिका कलिहारी जनपद सद. पाटन, खेमिन साहू पूर्व सरपंच ग्राम पंचा. सेलूद, टामन साहू ,प्राधि. अधि. सेवा सह. समिति सेलूद,अति. विशिष्ट अतिथि- विमला साहू , खिलेश मारकंडे सरपंच सेलूद और राकेश साहू उप सरपंच सेलूद विशेष सहयोग जयंत साहू अध्यक्ष जय प्रकाश साहू, उपाध्यक्ष पिताम्बरी साहू, उपाध्यक्ष महिला रूपेश साहू सचिव एवं समस्त साहू समाज ग्राम सेलूद, परिक्षेत्र-अरसनारा (पाटन) का रहेगा।

हर घर में सुख, समृद्धि व उन्नति का संचार हो : कीर्ति

सेलूद। जनपद पंचायत पाटन की अध्यक्ष कीर्ति नायक ने हिंदू नव

वर्ष एवं चैत्र नवरात्रि पर समस्त क्षेत्रवासियों को हार्दिक बधाई एवं मंगलमय शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। अपने संदेश में उन्होंने कहा कि हिंदू नव वर्ष नव ऊर्जा, नव उत्साह एवं नव सृजन का प्रतीक है, जो समाज को नई दिशा, नई सोच और सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।

हिंदू नव वर्ष से मिलता है भक्ति का संदेश : बारले

जामगांव आर। हिंदू नव वर्ष चैत्र नवरात्र के प्रथम दिवस सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जामगांव आर में परंपरागत व भक्तिभाव से स्वागत किया गया। कक्षा सप्तम के आयुष, कक्षा षष्ठ के दीपांशु, कक्षा प्रथम से मेघा,शेजल तथा कक्षा द्वितीय वंशिका ने पांच दीपक प्रज्वलन किया। श्रीफल कलश युक्त आकर्षक रंगोली उकेरे। प्राचार्य पूरन लाल बारले ने हिन्दू नववर्ष एवं चैत्र नवरात्रि की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर परमानंद टंडन, दिव्या चंद्राकर, कविता साव, डामिन साहू और शशि यादव उपस्थित थे।

नवोदय की 80 में से 48 सीटों पर धमधा के छात्रों का चयन

धमधा। जवाहर नवोदय विद्यालय नगपुरा बोराई में इस वर्ष 80 सीटों के लिए आयोजित प्रवेश परीक्षा में से 48 सीटों पर केवल धमधा ब्लॉक के बच्चों ने सफलता हासिल की है। कुल चयन का 60 प्रतिशत हिस्सा अकेले धमधा के नाम रहा।

यह उपलब्धि न केवल उनके परिवारों के लिए, बल्कि पूरे धमधा क्षेत्र के लिए गौरव का विषय बन गई है। धमधा ब्लॉक शिक्षा अधिकारी अथर्व शर्मा ने सभी चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी।

लाइनमैन को दी विदाई

अंडा। अंडा में बिजली कर्मचारी वरिष्ठ लाइनमैन राजेन्द्र प्रसाद ताम्रकार के सेवानिवृत होने पर भावभीनी विदाई दी गई। अंडा विद्युत मंडल सब स्टेशन कार्यालय पर विदाई समारोह कार्यक्रम का आयोजन बिजली कंपनी के समस्त कर्मचारियों के द्वारा रखा गया। इस अवसर पर बिजली कंपनी के ए ई श्रीकांत बागड़ ने शुभकामनाएं दी। आयोजन में विद्युत मंडल ए ई दुर्ग ग्रामीण श्रीकांत बरगैंया, ए ई बघेरा उपसंभाग अविनाश दुबे,जे ई कमल किशोर आदि उपस्थित थे।

डीजे के शोर से दूर, हाथों में आरती लेकर नगर भ्रमण करेंगे आनंद ताम्रकार

गूंजेंगे पारंपरिक जस गीत और सप्तमी को धूमधाम से निकलेगी शक्ति वंदन पदयात्रा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नंदिनी अहिवारा

धर्मनगरी अहिवारा और नंदिनी क्षेत्र में चैत्र नवरात्रि पर्व पर भक्ति की अनूठी धारा बहेगी। युवा छत्तीसगढ़ी भक्ति मंच ने एक सराहनीय पहल करते हुए शोर-शराबे से दूर, पूर्णतः सात्विक और पारंपरिक शक्ति वंदन पदयात्रा 1.0 निकालने का निर्णय लिया है। इस संबंध में नंदिनी टाउनशिप मार्केट में मंच की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई।

मंच के प्रदेश प्रवक्ता आदित्य ताम्रकार ने आयोजन की रूपरेखा साझा की। उन्होंने बताया कि, हमारे मंच द्वारा कुंवार नवरात्रि में भव्य चुनरी यात्रा निकाली जाती है, जिसमें डीजे, धुमाल और राष्ट्रीय कलाकारों की प्रस्तुति होती है। पूरा प्रदेश अहिवारा की उस यात्रा को जानता है। लेकिन, इस बार चैत्र नवरात्रि में हम सिर्फ़ भक्ति और पुरानी परंपराओं को जीवंत करेंगे। इसे शक्ति वंदन पदयात्रा नाम दिया गया है, जिसमें आधुनिक वाद्ययंत्रों की जगह छत्तीसगढ़ के पारंपरिक माता सेवा जस गीत गूंजेंगे।

इस यात्रा का सबसे मुख्य आकर्षण यह होगा कि युवा छत्तीसगढ़ी भक्ति मंच के प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजपा दाऊ आनंद ताम्रकार पूरे रास्ते अपने हाथों में माता की आरती लेकर चलेंगे और नगर भ्रमण करेंगे। यह दृश्य श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत भावपूर्ण होगा।

युवा छत्तीसगढ़ी भक्ति मंच की बैठक में बनी रूपरेखा

25 मार्च को सजेगा माता का दरबार

कार्यक्रम के प्रभारी रौनक ताम्रकार और संयोजक सौम्य मिर्चे के नेतृत्व में हुई बैठक में तय किया गया कि यह यात्रा चैत्र नवरात्रि की सप्तमी तिथि यानी 25 मार्च को शाम 05:30 बजे निकाली जाएगी।

पदयात्रा का मार्ग और मुख्य आकर्षण

पदयात्रा का शुभारंभ नंदिनी नगर के शिवराम मंदिर में दीप प्रज्वलन और विधिवत पूजा-अर्चना के साथ होगा। यहाँ से यात्रा नंदिनी टाउनशिप मार्केट, अहिवारा तिराहा और अहिवारा मार्केट होते हुए शीतला मंदिर में पूजा-अर्चना के साथ समाप्त होगी। बैठक में मुख्य रूप से उपस्थित प्रदेश अध्यक्ष दाऊ आनंद ताम्रकार ने कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी और नगरवासियों से इस पारंपरिक पदयात्रा में शामिल होकर पुण्य लाभ अर्जित करने की अपील की। इस अवसर पर मुख्य यात्रा प्रभारी साहिल साहू, ममता जंघेल, गैंदलाल जोशी, खेमेश राहुल निर्मलकर, महेश साहू, करण साहू, द्रोण निर्मलकर, दिव्यांश मंडले, लक्की पाल, बिट्टू कुर्रे, वरदान जोशी मेडेसरा, उज्जवल दुबे अहेरी, प्रियांशु मिश्रा पथरिया, देवेंद्र कश्यप मेडेसरा, तुषार यादव सगनी, राजू यादव बगडुमार, मोहित, मयंक, कौशल राजपुत, साथ ही युवती में मुख्यरूप से यामिनी निषाद, गीतांजलि धीवर, गीतांजलि ठाकुर, ईशा चौहान, आनंदी सिन्हा, अंकिता बारले, बिजिया बघेल, गरिमा, जैस्मिन आदि उपस्थित थे।

ज्योति कलशों से जगमग हुआ मां महामाया मंदिर

कुम्हारी। चैत्र नवरात्र पर मंदिरों में ज्योति कलशों की स्थापना के साथ ज्योति प्रज्ज्वलित की गई है। मां महामाया मंदिर कुम्हारी में इस चैत्र नवरात्र भक्तों द्वारा मनोकामना के 2216 ज्योति प्रज्ज्वलित किये गए है। वहीं शीतला मंदिर में 1505 प्रथम दिन मंदिर प्रांगण में सुबह से ही भक्तों का रेला लगा रहा लोग मां महामाया माता के दर्शन के लिए लंबी लाइनों में खड़े रहे वहीं मंदिर के पुजारी एवं समिति के सदस्यों द्वारा अभिजीत मुहूर्त में वैदिक मंत्रोच्चार के साथ ज्योत प्रज्ज्वलित किये गए। मां महामाया माता मंदिर में अनेक भक्तों की आस्था है स्थानीय ही नहीं बल्कि देश विदेश में रह रहे प्रवासी लोग भी माता के मंदिर में ज्योति प्रज्ज्वलित करवाते है। यही नही नवरात्र के नौ दिनों तक बड़ी संख्या में भक्त माता के दर्शन के लिए आते है। मां महामाया ट्रस्ट कमेटी के अध्यक्ष नारायण वर्मा ने समस्त भक्तों को चैत्र नवरात्र की बधाई देते हुए बताया कि मां महामाया मंदिर बहुत पुरातन है एवं बड़ी संख्या में भक्तों की आस्था का केंद्र है। ट्रस्ट बनने के बाद इस मंदिर में लगातार नए निर्माण एवं मंदिर के उत्थान के लिए कार्य किए जा रहे हैं।

अपराध नियंत्रण करने दुर्ग में चलेगा अभियान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

अपराध नियंत्रण के लिए पुलिस ने व्यापक कार्ययोजना बनाई है। सेक्टर 6 स्थित पुलिस कंट्रोल रूम में एसएसपी विजय अग्रवाल ने सभी राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होने कहा कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अपराधों पर तुरंत कार्रवाई सुनिश्चत होगी। बैठक में अपराध नियंत्रण, जांच की गुणवत्ता और प्रशासनिक अनुशासन परचर्चा हुई। लंबित मामलों को जल्द निपटाने के लिए ठोस रणनीति बनाई गई। वर्ष 2024 से पहले के लंबित अपराध, चालान, मर्ग और शिकायतों को प्राथमिकता पर समाप्त करने के निर्देश दिए गए। थानों में अनावश्यक बोझ कम करने और रिकॉर्ड व्यवस्थित रखने के लिए लावारिस और जब्त संपत्तियों का शीघ्र निराकरण करने पर जोर दिया। सभी गंभीर अपराधों में तुरंत अपराध दर्ज करने और विवेचना शुरू करने

पुलिस कंट्रोल में ली थाना प्रभारियों की बैठक

को कहा गया है। सूचना को नजरअंदाज न करने और वरिष्ठ अधिकारियों को समय पर जानकारी देने पर जोर दिया है। बाहरी टीम भेजने की आवश्यकता होने पर बिना देरी कार्रवाई करे। जिले में बढ़ते नशे और अवैध गतिविधियों को रोकने के लिए विशेष अभियान चलाने को कहा गया है। एनडीपीएस और आबकारी अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई करनी होगी। जुआ-सट्टा मामलों में विशेष टीम गठित कर स्थायी वारंटियों की गिरफ्तारी तय करे।

पूर्णाहुति में उमड़ी श्रद्धा, संत श्री माताजी ने बताया हवन का महत्व

भिलाई। जिले के निकुम स्थित तीर्थराज देवी निकुंभला मंदिर, जय शक्ति आश्रम में चैत नवरात्रि के अवसर पर चल रहे दुर्गा महायज्ञ में आस्था का सैलाब उमड़ रहा है। आयोजन के दूसरे दिन शुक्रवार को हवन की पूर्णाहुति में शामिल होने दूर-दूर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। इस दौरान संस्थापक संत श्री माता जी के सान्निध्य में विधि-विधान से हवन और पूजन संपन्न कराया गया। श्रद्धालुओं ने पूरे श्रद्धाभाव के साथ यज्ञ में आहुति देकर अपने परिवार की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की।

मंदिर परिसर में पूरे दिन भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहा। वैदिक मंत्रोच्चार और जय माता दी के जयकारों से पूरा क्षेत्र गूंजता रहा, जिससे माहौल पूरी तरह आध्यात्मिक रंग में रंगा नजर आया। आयोजन समिति के अनुसार, महायज्ञ के दौरान प्रतिदिन सुबह 11 बजे से दोपहर 1 बजे तक नित्य आहुतियां दी जा रही हैं। इस धार्मिक आयोजन में लगातार श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती जा रही है। इस अवसर पर संत श्री माता जी ने हवन पूजन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हवन से केवल भगवान ही प्रसन्न नहीं होते, बल्कि इससे लोगों के कष्टों का भी निवारण होता है। उन्होंने बताया कि हवन से निकलने वाला धुआ सामान्य नहीं होता, बल्कि वह वातावरण को शुद्ध करता है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है। महायज्ञ के साथ ही एक बड़े धार्मिक विकास का संकल्प भी जुड़ा हुआ है। संत श्री माता जी ने बताया कि आने वाले समय में यहां 4 एकड़ में मंदिर, 7 एकड़ में परकोटा और करीब 25 एकड़ में विशाल धार्मिक परिसर विकसित किया जाएगा। इस परियोजना की अनुमानित लागत लगभग 1 लाख 1 हजार करोड़ रुपये आंकी गई है। कुल मिलाकर, निकुम का यह दुर्गा महायज्ञ न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र बना हुआ है, बल्कि भविष्य में एक भव्य आध्यात्मिक धाम के रूप में विकसित होने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

बिजनेस साइट

ओम ज्वेलर्स मे आकर्षक उपहार एवं डिस्काउंट

भिलाई। इंदिरा मार्केट दुर्ग, शॉप नंबर 64b, प्रिया सिंगार सदन के सामने अपने भव्य शोरूम (रेड एंड व्हाइट कलर) के लिए जाना-माना सुप्रसिद्ध शॉप ओम ज्वेलर्स में विशेष डिस्काउंट एवं विशेष छूट मिल रही है। यहां आपको एडवांस बुकिंग करने पर तत्काल जितना ग्राम सोना लेंगे उतना ग्राम चांदी फ्री और शादी के गहनो की शॉपिंग पर विशेष डिस्काउंट के साथ इंपोर्टेड वॉच एवं इंपोर्टेड टूरिस्ट बैग हैंड बैग दिया जाएगा। ओम ज्वेलर्स के संचालक सोनी जी ने ओम ज्वेलर्स में आपार कस्टमर के पधारने के लिए उनको धन्यवाद दिया है। उन्होंने बताया कि उनकी शॉप में हॉलमार्क गहने जिसमें 6 अंकों का huid कोड वाले जेवर उपलब्ध हैं। इन गहनों की वापसी पर कोई भी काट छाट नहीं होती। इतना ही नहीं हां सबसे कम मेकिंग चार्ज लिया जाता है। यहां हर फैमिली के लिए उनके बजट के अनुरूप गहने उपलब्ध हैं। यहां सोने का हार चोकर नेकलेस, से लेकर सोने की अंगूठी, झुमका ऐयरिंग डबल कुंडा फैंसी लॉकेट मंगलसूत्र टॉप्स जैसी हर वजन की वरायटी उपलब्ध है। यहां पायलों की विस्तृत रेंज, करधन, बैंगल्स, हाथफूल, बिछिया व चैन लॉकेट की काफी बड़ी रेंज उपलब्ध है।

बीएम शाह हॉस्पिटल में निशुल्क हेल्थ कैम्प

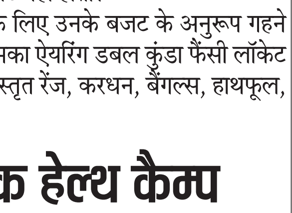

भिलाई। चैत्र नवरात्र पर बीएम शाह हॉस्पिटल में 26 मार्च तक निशुल्क हेल्थ कैम्प लगाया गया है। मुख्य रूप से न्यूरोलॉजी (नसों से संबंधित) एवं यूरोलॉजी (मूत्र रोग से संबंधित) चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है। निः शुल्क शिविर में न्यूरोलॉजी विभाग के डॉ. सुशांत कानडे द्वारा सिर दर्द, माइग्रेन, लकवा, पैरालिसिस, मिर्गी एवं पार्किंसन, भूलने की बीमार (अल्जाइमर रोग), गर्दन, बांह और पैरों का दर्द, नसों का दर्द व चक्कर आना इत्यादि विकारों पर निः शुल्क परामर्श दे रहे हैं। शिविर का समय सोमवार से शनिवार तक सुबह-10 बजे से दोपहर 2 बजे तय किया गया है। यूरोलॉजी विभाग के डॉ. अरिजीत शाहा (यूरोलॉजिस्ट) के द्वारा किडनी, प्रोस्टेट एवं मूत्र रोग से सम्बन्धित विकारों का निः शुल्क परामर्श दिया जाएगा। समय सोमवार से शनिवार तक शाम 4 बजे से 6 तक निर्धारित है। हॉस्पिटल के मेडिकल डॉयरेक्टर डॉ. जय तिवारी ने बताया की इस शिविर में आये हुए मरीजों का एमआरआई, सीटी स्कैन, 2- डी इको, एंडोस्कोपी, सोनोग्राफी एवं सभी प्रकार के खून जांच में 30% की छूट दी जा रही है।

शैलदेवी महाविद्यालय में एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान

भिलाई। शैलदेवी महाविद्यालय अंडा के वाणिज्य विभाग द्वारा एमकॉम तथा बीकाम के सभी विद्यार्थियों के लिए 18 मार्च को प्रोजेक्ट मेकिंग : स्ट्रेटजीस फॉर सक्सेस विषय पर एक दिवसीय अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। अतिथि व्याख्याता के रूप में डॉ. मनराखनलाल साहू शासकीय महाविद्यालय जामुल भिलाई, सीएमए डॉ. शशि कश्यप उपस्थित थे। डॉ. कश्यप ने अपने व्याख्यान में प्रोजेक्ट मेकिंग के सभी तौर तरीकों व नियमों को सरलता से रखा, जिससे वे सभी विद्यार्थियों को आसानी से समझ आ सके। उन्होंने बताया कि प्रोजेक्ट और रिसर्च का सबसे प्रमुख पहलू विषय का निर्धारण तथा क्षेत्र का चुनाव होता है। विद्यार्थियों को रिसर्च करते समय सदैव ऐसे विषय का चुनाव करना चाहिए जिसमें संबंधित समस्याओं से वे स्वयं पूर्ण रूप से अवगत हो ताकि उसका विश्लेषणात्मक अध्ययन करने में उन्हें किसी विशेष दिक्कतों का सामना न करना पड़े। अतिथि व्याख्याता ने एमकॉम में अध्ययनरत सभी विद्यार्थियों को अपने प्रोजेक्ट में सांख्यिकी टूल्स जैसे जेड टेस्ट, टी टेस्ट, माध्य और सहसंबंध आदि के प्रयोग करने को लेकर भी विशेष जानकारी दी। विद्यार्थियों ने अपने प्रोजेक्ट से संबंधित विशेष प्रश्न भी पूछे जिनका उत्तर अतिथि व्याख्याता डॉ. शशि कश्यप ने दिया। महाविद्यालय के चेयरमैन राजन कुमार दुबे ने इस व्याख्यान के आयोजन के लिए वाणिज्य संकाय के सभी शिक्षकों व विद्यार्थियों को बधाई दी।

आम सूचना

मैं आर.के. साहू अधिवक्ता जिला न्यायालय दुर्ग (छ.ग.) अपने पक्षकार कुलेश्वर साहू आ. स्व. लतखोर साहू निवासी-केलाबाड़ी दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) से अधिकृत होकर संबंधित व्यक्ति, आम जनता को सूचित करता हूँ कि केलाबाड़ी दुर्ग तहसील व जिला दुर्ग (छ.ग.) से लगा खसरा नं. 633/2, 634/1, 635/1, 636/1 कुल रकबा 1500 वर्गफुट भूमि को दिनांक 17/02/2005 को रजिस्ट्री बयनामा द्वारा खरीदा गया है तथा उक्त भूमि से लगा हुआ खेत का मेड़ था उक्त मेड़ से लगी भूमि को विक्रेता विजय सिंह गुप्ता के द्वारा वचन पत्र में लिखकर दिया था तथा उक्त वचन पत्र दिनांक 17/02/2005 को लिखा गया था उक्त वचन पत्र मेरे पक्षकार से कहीं गुम हो गया है तथा गुम होने की सूचना थाना पद्मनाभपुर दुर्ग में भी दे दी गई है उक्त वचन पत्र का कोई भी व्यक्ति दुरूपयोग न कर सके इसलिए यह आम सूचना प्रकाशित की जा रही है।

अतः सूचना जारी ।

दुर्ग
दिनांक 20/03/2026

भवदीय
आर.के. साहू (अधिवक्ता)
निवासः, सुभाष नगर कसारीडीह-दुर्ग
शिव मंदिर के पास, दुर्ग (छ.ग.)
मो. नं 9827169244

आम सूचना

मेरे पक्षकार रोशन निर्मलकर आ. श्री गजानंद निर्मलकर उम्र 33 वर्ष, निवासी-ग्राम समोदा, करंजा भिलाई तह. व, जिला-दुर्ग (छ.ग.) द्वारा प्रदत्त अधिकार से सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार की पत्नी श्रीमति गीता निर्मलकर ने दिनांक 12. 05.2025 को स्थान स्व. पाण्डुरंग रामाराव डोनगांवकर स्मृति चिकित्सालय (जिला-चिकित्सालय) दुर्ग में पुत्री तिशा निर्मलकर को जन्म दिया हैं, जिसका जन्म प्रमाण पत्र दिनांक 23.05.2025 को प्रमाण पत्र संख्या बी-2025229017100004168 हमने ऑनलाईन जारी कराया था।

तिशा निर्मलकर का आधार कार्ड अभी तक नहीं बना है तथा उसकी नाम तिशा निर्मलकर को जन्म प्रमाण पत्र में विलोपित कर तृषा निर्मलकर उल्लेखित किया जाना है अर्थात् तृषा निर्मलकर (TRISHA NIRMALKAR) के नाम से उसे जन्म प्रमाण पत्र की आवश्यकता है जो कि भविष्य में इसी नाम से वह जाना- पहचाना व पुकार किया जाना है। उसकी शिक्षा दीक्षा तृषा निर्मलकर (TRISHA NIRMALKAR) के नाम से होगी।

तद्नुसार सूचना जाने।

छन्नू लाल निर्मलकर (अधिवक्ता)
जिला न्यायालय दुर्ग (छ.ग.)
मो. नं-9907407571

अंचल की खबरें

टीबी के मरीजों में कुपोषण दूर करना प्रमुख उद्देश्य

सेलूद। राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम के अंतर्गत निक्षय निरामय कार्यक्रम 100 दिन टीबी फोरम मीटिंग बीपीएचयू पाटन में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) के अध्यक्षता में अयोजित किया। बीएमओ पाटन भुवनेश्वर कठौतिया ने बताया कि प्रत्येक टीबी रोगी को इलाज के दौरान पोषक आहार के लिए 500 प्रति माह सीधे उनके बैंक खाते में दिए जाते हैं। जिससे टीबी के मरीजों में कुपोषण को दूर करना, क्योंकि बेहतर पोषण से सुधार जल्दी होता है। टीबी के लक्षणों, मुफ्त इलाज और सरकार द्वारा मिलने वाली सहायता के बारे में जन-जागरूकता फैलाना इस अभियान के तहत समाज के संपन्न लोगों, संस्थाओं और जनप्रतिनिधियों को 'निक्षय मित्र' बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है ताकि वे टीबी रोगियों को गोद लेकर उनकी अतिरिक्त मदद (राशन, सहायता) कर सकें। इस अवसर पर जागेश्वर साहू सीईओ जनपद पंचायत पाटन,डॉ भुवनेश्वर कठौतिया बीएमओ पाटन , विकासखंड शिक्षा अधिकारी पाटन, डॉ एस नंदी एमओ ,छाया वर्मा सीडीपीओ पाटन , यमुनेश पाण्डेय सीडीपीओ झीट, चौधरी मैडम सीडीपीओ भिलाई 2 बीएल वर्मा बीईटीओ पाटन, चन्द्रकान्ता साहू बीईटीओ झीट और एसटीएलएस इंदु अमृत आदि उपस्थित थे।

तेलीगुंडरा में धूमधाम से मनाई कर्मा जयंती

पाटन। स्थानीय साहू समाज तेलीगुंडरा के तत्वाधान में संत माता कर्मा की 1010 वीं जयंती समारोह आयोजित की गई। जिसमें मुख्य अतिथि अशोक साहू (पूर्व उपाध्यक्ष, जिला पंचायत दुर्ग) थे। अध्यक्षता दिनेश साहू (कार्यकारी अध्यक्ष, तह.साहू संघ पाटन) ने की। विशेष अतिथि कीर्ति नायक अध्यक्ष जप पाटन, दिनेश कुमार साहू (पूर्व अध्यक्ष, तह.साहू संघ पाटन), दिलीप साहू (कोषाध्यक्ष,जिला साहू संघ दुर्ग), चंद्रिका साहू सदस्य प्रदेश साहू संघ, सरपंच तरीघाट,गरीब दास साहू (कोषाध्यक्ष,परि.साहू संघ), कामता साहू (उपाध्यक्ष,परि.साहू संघ), श्यामलाल साहू (सचिव,परि.साहू संघ) ने श्री कृष्ण एवं संत माता कर्मा की पूजा अर्चना कर समाज एवं ग्रामवासियों की सुख, समृद्धि, खुशहाली, शांति की मंगलकामना की।

गौठान में गौमाता पर अत्याचार का आरोप

भिलाई। भिलाई के कोसानगर गौठान में गौमाताओं के साथ कथित तौर पर क्रूरता किए जाने की शिकायत जिला प्रशासन से की गई है। इस संबंध में छत्तीसगढ़ आर्मी पब्लिक वेलफेयर फाउंडेशन, राधे गौसेवा समिति और विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल के पदाधिकारियों ने कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है। शिकायत में बताया गया है कि कोसानगर गौठान, जो भिलाई स्टेशन के पास स्थित है, वहां हर सप्ताह किसी न किसी गौमाता या बछड़े के साथ क्रूरता की घटनाएं सामने आ रही हैं। आरोप है कि पशुओं के कान काटने, पूंछ काटने और शरीर को नुकसान पहुंचाने जैसे अमानवीय कृत्य किए जा रहे हैं। संगठनों ने कहा कि यदि जल्द ही ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो वे उग्र प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे। ज्ञापन सौंपने वालों में आर्मी फेडरेशन के अध्यक्ष पूर्व सैनिक हरप्रित सिंह, राधे गौसेवा समिति के जिला अध्यक्ष राम राघव यादव, जिला उपाध्यक्ष वंश बोहरे तथा विहिप बजरंग दल से दुर्ग जिला गौ रक्षक प्रमुख रवि साहू, यमन ठाकुर सहित बड़ी संख्या में गौसेव शामिल थे।

श्रीमद् भागवत कथा में बाल लीलाओं का किया वर्णन

अंडा। ग्राम खप्परवाड़ा में आयोजित संगीतमयी श्रीमद् भागवत कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाएं और माखन चोरी का पावन प्रसंग बड़े ही मनमोहक ढंग से प्रस्तुत किया गया। कथावाचक पं. भूपेंद्र पांडे ने श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं का वर्णन करते हुए बताया कि माखन चोरी की लीला का महत्व बताते हुए कहा कि यह केवल बाल सुलभ चंचलता नहीं, बल्कि भगवान का अपने भक्तों के प्रति प्रेम और स्नेह का प्रतीक है। कथा के दौरान जब माखन चोरी का प्रसंग सुनाया गया, तो श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे और भजन-कीर्तन के साथ वातावरण भक्तिमय हो गया। पूरे कथा स्थल में जय श्रीकृष्ण के जयकारे गूंजते रहे।

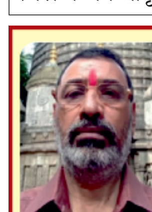

शहर में सुप्रसिद्ध ज्योतिषी
पं.एम.पी. शर्मा
माँ दुर्गा बगुलामुखी उपासक
फीस 251/-
माँ कामख्या बगुलामुखी उपासक विगत चालिस वर्षों से
स्थाई तौर पर उपस्थित माँ कामख्या बगुलामुखी की असीम कृपा साधना द्वारा ज्योतिष शास्त्र सम्बन्धित कम्प्यूटर द्वारा जन्मकुण्डली देखते एवं बनाते है। ग्रहों की महादशाओं के शुभ-अशुभ परिणाम आते है। आर्थिक, मानसिक, पारिवारिक, शारीरिक, व्यापार संबंधी कालसर्प दोष, मांगलिक दोष, गृहकलेश, विवाह में बाधा पिशाच दोष, गुप्त शत्रु बाधा, ग्रहण दोष आदि सभी समस्या हेतु पूजा अनुष्ठान बगुलामुखी साधना द्वारा सर्व समस्या हेतु सम्पर्क करें।
विशेष - भक्तगण उच्चाटन, आकर्षण, मस्तिष्क दमन इन बाधाओं से पीड़ित है बगुलामुखी साधना द्वारा समाधान किया जाता है।
समय - सुबह 10 बजे से दोपहर 02 बजे तक शाम 04 बजे से 07 बजे तक
पता : श्री दुर्गा माँ बगुलामुखी ज्योतिष कार्यालय, धमधा नाका चौक, सुर्या होटल के सामने, दुर्ग (छ.ग.) मो.:8109922001

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

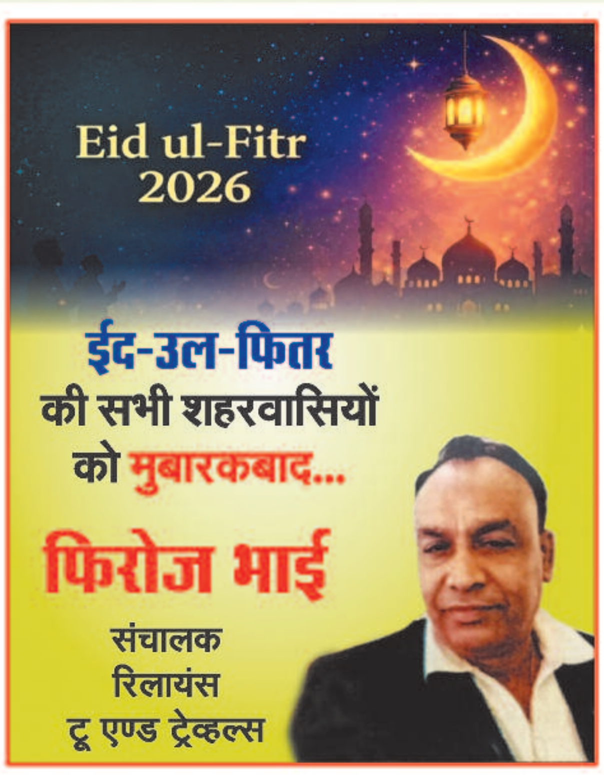

ईद-उल-फितर

खुशी, भाईचारे और कृतज्ञता का पर्व

ईद-उल-फितर इस्लाम धर्म का एक प्रमुख और पवित्र त्योहार है, जो रमजान के महीने के समापन पर मनाया जाता है। यह पर्व रोज़ा रखने के बाद अल्लाह के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने और खुशियां बांटने का संदेश देता है। इसे "मीठी ईद" भी कहा जाता है, क्योंकि इस दिन घरों में खास तौर पर सेवइयां और मिठाइयां बनाई जाती हैं।

रमजान और रोज़े का महत्व

ईद-उल-फितर से पहले पूरे एक महीने तक मुस्लिम समुदाय के लोग रोजा रखते हैं। इस दौरान सूर्योदय से सूर्यास्त तक भोजन और पानी का त्याग कर आत्मसंयम, धैर्य और ईश्वर की भक्ति का पालन किया जाता है। रमजान का महीना आत्मशुद्धि, दान और दूसरों की मदद करने का समय माना जाता है।

ईद मनाने की परंपराएं

ईद के दिन सुबह विशेष नमाज (ईद की नमाज) अदा की जाती है, जो खुले मैदान या मस्जिदों में सामूहिक रूप से होती है। नमाज से पहले "जकात-उल-फितर" देना अनिवार्य होता है, जिससे गरीब और जरूरतमंद लोग भी इस त्योहार की खुशी में शामिल हो सकें। लोग नए कपड़े पहनते हैं, एक-दूसरे को गले लगाकर "ईद मुबारक" कहते हैं और आपसी प्रेम व भाईचारे का संदेश देते हैं।

सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व

ईद-उल-फितर केवल धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि सामाजिक एकता और सद्भाव का प्रतीक भी है। इस दिन लोग अपने रिश्तों को मजबूत करते हैं, गिले-शिकवे भुलाकर एक-दूसरे के करीब आते हैं। यह पर्व हमें सिखाता है कि खुशियां बांटने से ही बढ़ती हैं।

ईद-उल-फितर प्रेम, त्याग, करुणा और भाईचारे का संदेश देने वाला त्योहार है। यह हमें सिखाता है कि जीवन में सच्ची खुशी दूसरों के साथ खुशियां साझा करने में है। इसलिए, इस पावन अवसर पर हमें भी एक-दूसरे के प्रति प्रेम और सम्मान का भाव रखना चाहिए।

हरिभूमि लाइव
रायपुर, शनिवार 21 मार्च 2026
Email id- haribhoomibhilai@gmail.com
7747020002, Message at - 9755819129

शोभायात्रा में शामिल हुईं समाज की महिलाएं

लाइव इवेंट

महिलाओं को बताए उनके अधिकार और दी कानून से जुड़ी जानकारी

भिलाई। यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया (वाईएचएआई) दुर्ग-भिलाई इकाई द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें घर परिवार से लेकर कार्यस्थल तक महिलाओं के लिए अवसर और चुनौतियों पर गंभीर चर्चा हुई। विधि विशेषज्ञों ने महिलाओं को उनके अधिकार और कानून के सम्बन्ध में ज्ञानवर्धक जानकारी दी। इस आयोजन में लैंगिक उत्पीड़न, शारीरिक मानसिक शोषण एवं समान कार्य समान वेतन जैसे विषयों पर सारगर्भित चर्चा हुई । अधिवक्ता सुरिन्दर कौर ब्रोका, श्वेता तिवारी एवं सुलेखा साहू ने महिला शिक्षा, आत्मनिर्भरता और महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया। इस दरम्यान कर्नल रिटायर हरिशरण जीत कौर ने महिलाओं को स्वास्थ्य सम्बन्धी महत्त्वपूर्ण जानकारी प्रदान की। प्रिया जांगड़े एवं राजश्री श्रृंगार पुतले ने महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता पर विशेष बल दिया।

- यूथ हॉस्टल्स एसोसिएशन ऑफ इण्डिया दुर्ग भिलाई इकाई द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस आयोजित

संस्था के चेयरमैन के. सुब्रमण्यम एवं कोषाध्यक्ष हेमलाल देवांगन ने बताया कि इस आयोजन में सभी सदस्यों ने समवेत स्वर में स्वीकार किया कि स्त्री-पुरुष एक दूसरे के पूरक हैं। दुर्ग भिलाई इकाई के प्रेसिडेंट और विधि विशेषज्ञ ऋषि कांत तिवारी एवं अधिवक्ता विकास चौधरी ने बताया कि घर परिवार से लेकर कार्यस्थल तक महिलाओं की सुरक्षा के लिए सभी प्रकार से कानून हैं। दुर्ग भिलाई इकाई के सचिव सुबोध देवांगन ने बताया कि आयोजन को सफल बनाने में नवजीत कौर ब्रोका, सरोज अग्रवाल, तारकेश्वरी साहू, उषा रानी यादव, फाल्गुनी चौधरी, पूर्णिमा चटर्जी, श्रुति चटर्जी, मंजीत कौर, दिव्या शर्मा, हेमांगी ऋषि, काशवी त्रिपाठी, के. स्तुति, निखिल त्रिपाठी आदि की भागीदारी रही।

● चेट्रीचंड्र पर झूलेलाल मंदिर में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की लगी भीड़, बंटे शरबत और प्रसादी

भगवान झूलेलाल के भजनों पर झूमे भक्त, दुर्ग-भिलाई में निकली शोभायात्रा, एकजुटता का संदेश देती झांकियां रहीं आकर्षण

वरुणदेव भगवान झूलेलाल की जयंती शुक्रवार को सिंधी समाज ने पूरे श्रद्धा और आस्था के साथ मनाई। दुर्ग और भिलाई दोनों ही जगहों पर अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। दोनों ही जगहों पर नगर भ्रमण के लिए आकर्षक झांकियों के बीच शोभायात्रा निकाली गई। इस अवसर पर दुर्ग के सिंधी कॉलोनी स्थित झूलेलाल मंदिर में सुबह से ही भगवान झूलेलाल और बाराणा साहेब के दर्शन के लिए सिंधी समाज के अलावा अन्य समाज के लोगों का तांता लगा रहा। भिलाई में हाउसिंग बोर्ड में स्थित मंदिर में विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। लोगों ने यहां भगवान झूलेलाल के भजनों पर नाच गाकर अपनी आस्था-भक्ति प्रकट की। झूलेलाल मंदिर वैशालीनगर में भी आयोजन किया गया।

भिलाई-दुर्ग। जनप्रतिनिधि भी दर्शन के लिए झूलेलाल मंदिर पहुंचे। उन्होने दर्शन कर भगवान झूलेलाल से शहर की सुख समृद्धि एवं खुशियाली के लिए कामना की। इस अवसर पर शदाणी युवा मंडल द्वारा सिंधी कॉलोनी स्टेशन रोड में प्रसाद एवं शरबत का वितरण किया गया। प्रसाद एवं शरबत ग्रहण करने यहां बड़ी संख्या में लोगों की भीड़ जुटी। प्रसादी व शरबत वितरण में शदाणी युवा मंडल के अध्यक्ष राजू पाहुजा, अमर बख्तियार, दर्शन किंगरानी, मुकेश मोहनानी, रवि शादीजा, विक्रम अंदानी, जितेन्द्र बत्रा, दिलीप अंदानी, सोना मोहनानी, सर्वानंद पंजवानी, अनिल बदानी,नानक मेघवानी, रोशन गणेशानी, नरेश हितलानी, हीरा जसवानी, अजित खत्री, मनीष मंगलानी, राम रत्नानी एवं अन्य सदस्यों ने सेवा दी। पूज्य सिंधी जनरल पंचायत और सिंधुड़ी सेवा समिति ने सिंधी धर्मशाला में भंडारा का आयोजन किया। जहां सिंधी समाज के अलावा अन्य समाज के लोगों ने महाप्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ प्राप्त किया। महाप्रसाद वितरण के दौरान पूज्य सिंधी जनरल पंचायत, सिंधुड़ी सेवा समिति के पदाधिकारी व्यवस्था बनाने में जुटे रहे। सिंधी समाज द्वारा शाम को बाराणा साहेब की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह शोभायात्रा गाजे बाजे के साथ सिंधी कॉलोनी से प्रारंभ होकर पोलसायपारा, इंदिरा मार्केट, पुराना बस स्टैण्ड पहुंची। शाम को शिवनाथ नदी घाट में दीपों से महाआरती का आयोजन किया गया। जहां महाआरती उपरांत बाराणा साहेब का विसर्जन किया गया। शोभायात्रा का पूरे रास्तेभर सिंधी समाज के लोगों ने भव्य स्वागत किया। इस दौरान प्रसादी व शरबत वितरण कर भगवान झूलेलाल जयंती की खुशियां मनाई गई। पोलसायपारा लक्ष्मीनारायण मंदिर के पास कोटवानी परिवार द्वारा शोभायात्रा का भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान शोभायात्रा में शामिल लोगों को शरबत बांटे गए। शरबत वितरण में अमर कोटवानी, सिद्धु कोटवानी, कोटवानी परिवार के अन्य सदस्यों के अलावा चेम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रदेश मंत्री अशोक राठी, दुर्ग अग्रवाल समाज के उपाध्यक्ष प्रहलाद रुंगटा, कैट चेयरमैन पवन बड़जात्या व अन्य व्यापारियों ने सेवाएं दी। शोभायात्रा में पूर्व विधायक अरुण वोरा, पूर्व महापौर आरएन वर्मा, शहर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल, महापौर अलका बाघमार, पूर्व सभापति राजेश यादव, भाजपा प्रवक्ता नितेश साहू, कांग्रेस नेता दीपक दुबे, पूज्य सिंधी जनरल पंचायत के अध्यक्ष आसनदास मोहनानी, सचिव शंकर गणेशानी, झूलेलाल सेवा मंडल अध्यक्ष विक्रम सचदेव, जगदीश सवानी, महेश गणेशानी सहित अन्य मौजूद थे।

श्रीराम सिंधी पंचायत ने झूलेलाल मंदिर कालाबाड़ी वैशाली नगर से भी निकाली गई शोभायात्रा

भिलाई के कालाबाड़ी वैशालीनगर स्थित श्रीराम सिंधी पंचायत मंदिर से शोभायात्रा निकाली गई। इससे पहले सुबह 6 बजे स्वास्थ की जागरूकता के लिए जुंबा डांस कराया गया। मैराथन दौड़ भी की गई, जो कि दुर्गा मंदिर से होते हुए विधायक रिकेश सेन निवास से दशहरा मैदान से शांति नगर से भगत सिंग चौक होते हुवे लगभग 2 किलोमीटर की यात्रा की गई। सुबह 11 बजे रैली निकाली गई। रैली झूलेलाल मंदिर वैशाली नगर से रामनगर से गदा चौक होते हुए सुपेला घड़ी चौक से विजय टॉकीज रोड से लिंक रोड कैंप 1 से गौरव पथ होते हुए गोल मार्केट से शांति नगर होते हुए माता मंदिर झूलेलाल धाम में समाप्त हुई। शाम 5 बजे बाराणा साहब की विधिविधान से पूजा अर्चना करके साईं झूलेलाल की विशाल झांकी निकालकर गाजे बाजे के साथ शोभायात्रा निकली गई। रात 9 बजे सिंधी रंगारंग कार्यक्रम भी आयोजित किया गया, जिसमें समाज के नन्नें मुन्नें बच्चों और बहनों ने अपनी सिंधी बोली की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में भीमसेन सतपाल, हेमन नागदेव, मंगतराम धनवानी, लक्ष्मण दास भक्तयानी, सिंधी समाज के अध्यक्ष दिलीप पवनी, धर्मदास बत्रा, अर्जुन सचदेव, संतोष सचदेव, सिंधी युवा विंग अध्यक्ष डॉ. हेमंत अंबवनी सहित अन्य मौजूद थे।

सिटी इवेंट

स्टूडेंट्स के शोध को मिलेगी जगह रिसर्च एक्सप्रेशन में किए जाएंगे शामिल

दुर्ग। साइंस कॉलेज द्वारा 10 वर्षों से रिसर्च एक्सप्रेस से एक ज्ञानवर्धक पत्रिका रिसर्च एक्सप्रेस प्रकाशित की जा रही है। शोध पत्र जमा करने की अंतिम तिथि 15 अप्रैल है। कॉलेज के प्राध्यापक डॉ. प्रशांत श्रीवास्तव एवं शोध पत्रिका प्रभारी डॉ. अनिल कुमार पाण्डेय ने बताया कि इस शोध पत्रिका को भारत सरकार द्वारा प्रदत्त आईएसएसएन नंबर मिल चुकी है। शैक्षणिक सत्र में दो अंकों के प्रकाशन वाली रिसर्च एक्सप्रेशन शोध पत्रिका के लगभग 12 से अधिक अंक प्रकाशित हो चुके हैं। नेशनल स्तर के प्राध्यापकों, शोधकर्ताओं एवं शिक्षाविदों के लगभग 100 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। शोध पत्रिका प्रकाशन समिति के प्रभारी डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी ने कहा कि महाविद्यालय एवं छत्तीसगढ़ अंचल के युवा एवं वरिष्ठ प्राध्यापकों, रिसर्च स्कॉलर तथा शिक्षाविदों द्वारा अपने-अपने शोधकार्य पर केन्द्रित रिसर्च पेपर को प्रकाशन हेतु अवसर उपलब्ध कराने की दृष्टि से रिसर्च एक्सप्रेशन पत्रिका सर्वोत्तम कुराने माध्यम है। इस पत्रिका में प्रकाशित होने वाले शोध पत्रों को पीयर रिव्यू जर्नल के समकक्ष प्राप्त होने वाले अंकों के बराबर अंक प्राप्त होते है। इस पत्रिका के लिए 25 मार्च के बाद साइंस कॉलेज की वेबसाइट का अवलोकन किया जा सकता है। यह पत्रिका माल्टीडिस्पलनरी शोध पत्रिका है, जिसमें सलाहकार बोर्ड में विदेशों के अनेक प्राध्यापक अथवा शोधकर्ता शामिल हैं। प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने महाविद्यालय में बैठक लेकर शोध पत्रिका रिसर्च एक्सप्रेशन के प्रकाशन तथा गुणवत्ता पूर्ण शोध पत्रों के प्रकाशन पर बल दिया।

रुंगटा यूनिवर्सिटी के फॉरेंसिक साइंस की पढ़ाई कर रहे स्टूडेंट्स ने किया हाईकोर्ट का शैक्षणिक भ्रमण

भिलाई। रुंगटा इंटरनेशनल स्किल्स यूनिवर्सिटी के फॉरेंसिक साइंस विभाग के विद्यार्थियों ने शैक्षणिक भ्रमण के अंतर्गत छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय का दौरा किया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को न्यायिक व्यवस्था की वास्तविक कार्यप्रणाली, अदालत की संरचना और फॉरेंसिक साक्ष्यों की न्यायालयीन प्रक्रिया में भूमिका से प्रत्यक्ष रूप से परिचित कराना था। निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुरूप आयोजित इस भ्रमण में विद्यार्थियों को न्यायालय की विभिन्न पीठों की कार्यप्रणाली, न्यायाधीशों की जिम्मेदारियों और वादों की सुनवाई की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई।

अधिकारियों ने बताया कि किस प्रकार याचिकाओं पर विचार किया जाता है और संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों के अंतर्गत न्याय सुनिश्चित किया जाता है। भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को न्यायालय कक्ष में चल रही सुनवाई को प्रत्यक्ष रूप से देखने का अवसर मिला। इससे उन्होंने समझा कि वकील किस प्रकार अपने तर्क प्रस्तुत करते हैं और न्यायाधीश तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर निर्णय प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हैं।

आपराधिक मामलों की प्रक्रिया और जांच को भी समझा

स्टूडेंट्स ने आपराधिक मामलों की पूरी प्रक्रिया प्राथमिक जांच से लेकर अंतिम निर्णय तक के बारे में जानकारी ली। फॉरेंसिक विशेषज्ञों की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए अधिकारियों ने बताया कि न्यायालय में वैज्ञानिक साक्ष्य किस प्रकार प्रस्तुत किए जाते हैं और उनकी विश्वसनीयता कैसे परखी जाती है। इससे विद्यार्थियों को अपने विषय, जैसे साक्ष्य के सिद्धांत, अपराध के तत्व और आपराधिक प्रक्रिया, की व्यावहारिक समझ प्राप्त हुई। इस भ्रमण में स्कूल ऑफ़ लाइफ साइंस की डायरेक्टर डॉ नीमा एस बालन का विशेष योगदान रहा। फॉरेंसिक साइंस की एचओडी निशा पटेल और फैकल्टी हिमानी कुमारी ने ऑर्गनाइजर की भूमिका निभाई।

पालक बच्चों को दें बाल मैत्री के टिप्स

भिलाई। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत किशोरी बालिकाओं के उन्मुखीकरण और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बाल मैत्री कार्यक्रम की जानकारी देने के लिए जिला कार्यक्रम अधिकारी आर के जामुलकर एवं जिला महिला बाल विकास अधिकारी अजय साहू के मार्गदर्शन में एकीकृत बाल विकास परियोजना दुर्ग ग्रामीण एवं दुर्ग शहरी के द्वारा संयुक्त कार्यशाला का आयोजन विवेकानंद सभागार दुर्ग में किया गया। परियोजना अधिकारी ग्रामीण एवं शहरी उषा झा, अनीता सिंह, दुर्ग ग्रामीण एवं शहरी की सभी पर्यवेक्षक व कार्यकर्ताएं एवं किशोरी बालिकाएं उपस्थित थे। गुड पेरेंटिंग विषय पर कार्यकर्ताओं के लिए संवाद कार्यक्रम भी रखा गया जिसमें अतिथि वक्ता सुचित्रा श्रीवास्तव वगायत्री श्रीवास्तव ने कार्यकर्ताओं से चर्चा की। उन्होंने आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओ को आंगनबाड़ी के बच्चों को किस तरह से भविष्य के लिए संस्कारवान बच्चों के रूप में तैयार कर सकती है इसके बारे में बताया। बच्चे कच्ची मिट्टी के घड़े के समान होते हैं बड़ों को जैसा आचरण करते देखते हैं, घर में पालकों और आंगनबाड़ी या स्कूल में शिक्षक जिस तरह की भाषा, बोली, भाव भंगिमा या बातचीत करते हैं वह वैसा ही सीखते जाते हैं। बच्चों को प्रेम व संस्कार की नैतिक शिक्षा दें। परियोजना दुर्ग ग्रामीण के कुपोषण मुक्त घोषित ग्राम पंचायत रवेलीडीह की दोनों कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया।

सिटी इवेंट

जयपुर में छत्तीसगढ़ की समाजसेविका अंबा का सम्मान

भिलाई। छत्तीसगढ़ की समाज सेविका अंबा शुक्ला को उनके उत्कृष्ट सामाजिक कार्यों के लिए जयपुर में अंबेडकर उत्थान परिषद द्वारा सम्मानित किया गया। इस सम्मान समारोह में देशभर से आए समाजसेवियों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही। अंबा शुक्ला को समाजसेवा, महिला सशक्तिकरण और जनकल्याण के क्षेत्र में उनके सराहनीय योगदान के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। उन्होंने अपने कार्यों के माध्यम से न केवल विभाग में अपनी अलग पहचान बनाई, बल्कि समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए भी लगातार कार्य किया है। सम्मान प्राप्त करने के बाद अंबा शुक्ला ने कहा कि यह सम्मान उन्हें और अधिक निष्ठा के साथ समाज सेवा के लिए प्रेरित करेगा। उन्होंने अंबेडकर उत्थान परिषद का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे भविष्य में भी समाजहित में कार्य करती रहेंगी। इस अवसर पर परिषद के पदाधिकारियों ने उनके कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि अंबा शुक्ला जैसी महिलाएं समाज के लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं।

- समाज के कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए भी किया कार्य

कॉर्नर न्यूज

कोऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-4 ने रिटायर कर्मियों को दी विदाई

भावुक हुए रिटायर कर्मी, स्वरचित कविता सुना कर लूटी वाहवाही, अपने अनुभवों को भी किया साझा

भिलाई। बीएसपी एम्पलाइज कोऑपरेटिव एंड वेलफेयर सोसाइटी लिमिटेड सेक्टर-4 में समारोह का आयोजन कर माह फरवरी 2026 में भिलाई स्टील प्लांट की सेवा से निवृत्त हुए अपने सदस्य कर्मियों को ससम्मान विदाई दी। विदाई समारोह में रिटायर कर्मियों ने जहां भिलाई स्टील प्लांट और सेक्टर-4 सोसाइटी से अपने लगाव पर बातें की, वहीं आगे भी सोसाइटी के सदस्य बने रहने की इच्छा जताई। समारोह में स्वागत उपरांत सोसाइटी के अध्यक्ष पूरनलाल देवांगन ने सम्मान पत्र, मिठाई, श्रीफल व अंतिम भुगतान का चेक प्रदान कर रिटायर कर्मियों को भविष्य की शुभकामनाएं दी। अपने उद्बोधन में अध्यक्ष देवांगन ने कहा कि हमारे रिटायर साथी इस वृहद परिवार का हिस्सा है और इन साथियों का योगदान हमेशा रेखांकित होता रहेगा। इस मौके पर रिटायर कर्मियों ने सम्मान के प्रति आभार जताते हुए अपनी भावनाएं व्यक्त की। इस दौरान मर्चेंट मिल से रिटायर महेश कुमार यदु ने कहा- सेक्टर 4 सोसायटी की पहचान यहां का पारदर्शिता वाला कामकाज है। उन्होंने कहा कि जब आकस्मिक ऋण की सीमा 2000 थी, तब से वह ऋण लेते रहे हैं और आज यह सीमा बढ़कर 2 लाख रुपए है। सोसाइटी ने पूरे सेवाकाल में हर कार्य में पूरा सहयोग दिया। रिफ्रैक्टरीज इंजीनियरिंग डिपार्टमेंट-1 से रिटायर राजेश कुमार सुमन ने कहा कि हमने अपने सेवाकाल की शुरुआत में सुन रखा था कि जब भी सदस्य बनना है तो सेक्टर-4 सोसाइटी का ही बनना है।

इसका पालन करते हुए हम भी सदस्य बन गए और इसके बाद पहली बार ऋण लेकर अपनी मां के लिए गैस सिलेंडर लिए थे। कार्यक्रम में असमां परवीन, अशोक राठौर, पुरुषोत्तम सिंह कंवर, जानकी राव, सतानंद चंद्राकर, शशिभूषण ठाकुर आदि मौजूद थे।

कार्यप्रणाली की प्रशंसा, सदस्यता बढ़ाने पर दिया जोर

सीईडी से रिटायर जयंत सिंह नगरकोटी ने कहा इस सोसाइटी के साथ भावनात्मक रूप से जुड़ाव रहा और पूरे सेवाकाल में कभी कोई शिकायत नहीं रही। प्लेट मिल से रिटायर प्रवीण तांबेकर ने कहा- इस सोसाइटी से जुड़ने से पहले दूसरी सोसाइटी वालों ने हमें सदस्यता देने से इनकार कर दिया था। यहां की कार्य प्रणाली ने हम सभी कर्मियों को खूब प्रभावित किया। इस दौरान ज्यादातर रिटायर कर्मियों ने कहा कि सभी की इच्छा आगे भी सोसाइटी से जुड़े रहने की है। इस अवसर पर माखनलाल, जितेंद्र कुमार, कृष्णेश्वर मानकर, तोखू राम साहू, गोपाल, राजेश देशमुख, राजेंद्र वर्मा, नकुल राम साहू, रामेश्वर प्रसाद और राजकुमार चौधरी ने भी अपनी बात रखी।

सोसाइटी करती है टीम भावना से काम, दुख-सुख में साथ

सोसाइटी की इस पहली मदद ने हम सबको भावुक कर दिया। स्टील मेल्टिंग शॉप-3 से रिटायर्ड वीएसएस श्रीधर ने कहा कि- सेक्टर 4 सोसाइटी टीम भावना से काम करती है और यहां होने वाली वार्षिक साधारण सभा भी हर साल निर्विघ्न संपन्न होती है। सोसाइटी की इस कार्यप्रणाली ने हमेशा प्रभावित किया। ब्लास्ट फर्नेस से लेख राम साहू ने कहा कि उन्होंने सेक्टर 4 सोसाइटी को हमेशा मार्गदर्शक सोसाइटी के रूप मे देखा है। पावर एंड ब्लोइंग स्टेशन से रिटायर चिंतामणि साहू ने कहा- किसी भी सदस्य कर्मी को सोसाइटी से कोई भी शिकायत नहीं रही। श्री साहू ने सोसाइटी की कार्यप्रणाली पर अपनी स्वरचित कविता का पाठ किया, जिसकी उपस्थित सभी लोगों ने खूब तारीफ की।

सिटी इवेंट

ध्वज फहराकर रैली निकाल किया भारतीय नववर्ष का स्वागत

दुर्ग। भारतीय नव वर्ष के पावन अवसर पर शहर में भव्य भगवा रैली का आयोजन कर उत्साहपूर्वक नववर्ष का स्वागत किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत ध्वज फहराकर की गई, जिसके पश्चात देशभक्ति और सांस्कृतिक जागरुकता से ओतप्रोत रैली निकाली गई।

- भारतीय संस्कृति, परंपरा और नवचेतना का भव्य संगम

कार्यक्रम का नेतृत्व प्रतिक पंड्या ने किया, जबकि कार्यक्रम के मुख्य संयोजक के रूप में डॉ. अजय आर्य ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर पर विभिन्न वक्ताओं ने भारतीय संस्कृति और परंपरा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए उपस्थित जनसमूह को प्रेरित किया।

प्रतीक पांडे ने कहा कि भारतीय नव वर्ष केवल तिथि परिवर्तन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक चेतना का जीवंत प्रतीक है, जो हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा देता है। वहीं दिव्या देवांगन ने अपने संबोधन में युवाओं से आह्वान किया कि वे भारतीय परंपराओं को अपनाते हुए समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संकल्प लें। मुख्य संयोजक डॉ. अजय आर्य ने बताया कि वर्तमान में सृष्टि संवत 1,96,08,53,126 (एक अरब छियानवे करोड़ आठ लाख तिरेपन हजार एक सौ छब्बीस) वर्ष चल रहा है, जो हमारी संस्कृति की अत्यंत प्राचीनता और वैज्ञानिकता को दर्शाता है। उन्होंने विक्रम संवत की महानता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह केवल कालगणना नहीं, बल्कि हमारे गौरवशाली इतिहास और सांस्कृतिक निरंतरता का प्रतीक है। साथ ही उन्होंने चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के महत्व को रेखांकित करते हुए बताया कि इसी दिन से नव सृजन, नव ऊर्जा और नव संकल्प का शुभारंभ होता है। समापन के अवसर पर सभी ने भारतीय नव वर्ष को भारतीय संस्कृति के अनुरूप मनाने तथा समाज में सांस्कृतिक जागरूकता बढ़ाने का संकल्प लिया। साथ ही डॉ. अजय आर्य एवं हेमा सक्सेना ने हिंदू जागरण के उद्देश्य से पांच बिल्डिंग, महाराजा चौक, ऋषभ सिटी, गणपति विहार एवं पोटिया चौक क्षेत्र में भगवा ध्वज वितरित किया गया। इस रैली में प्रतिक पंड्या, वसुंधा तिवारी, रखेन्द्र सिंह राजपूत, प्रेम कुमार सप्रा, शशांक सोनी, मंजू साहू, निकिता वामनकर, दिव्या देवांगन, संतोष कुमार भारद्वाज, श्रेया साहू, कल्पना, शुभम शर्मा, तुलसराम धीवर, आकांक्षा झा, सुरेश कुमार एवं अमित कन्यारण सहित अनेक नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हजारों की संख्या में युवाओं की भगवा रैली में रही सहभगिता

हिन्दू नववर्ष पर सेक्टर 9 चौक पर लहराया भगवा ध्वज सामूहिक हनुमान चलीसा के साथ हुई महाआरती

भिलाई। हिन्दू नववर्ष विक्रम संवत 2083 के पावन अवसर पर श्रीराम जन्मोत्सव समिति भिलाई द्वारा आज सेक्टर-9 चौक में भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशाल भगवा ध्वजारोहण किया गया, सामूहिक रूप से श्री हनुमान चालीसा का पाठ हुआ और श्रद्धालुओं ने मिलकर भव्य महाआरती की। आयोजन स्थल पर उमड़े जनसैलाब ने पूरे वातावरण को भक्तिमय और ऊर्जावान बना दिया। कार्यक्रम पश्चात समिति के सदस्यों एवं पदाधिकारियों द्वारा हनुमान मंदिर सेक्टर 9 में बजरंग बली का आशीर्वाद प्राप्त किया गया।कार्यक्रम की शुरुआत सिविक सेंटर से निकली विशाल भगवा रैली से हुई। इस रैली में विभिन्न प्रखंडों से आए श्रीराम भक्तों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। भगवा ध्वजों और जयघोष से पूरा मार्ग गूंज उठा। रैली में नगर के अनेक सामाजिक संगठनों के सदस्य भी शामिल हुए, जिन्होंने अपनी उपस्थिति से आयोजन को और अधिक भव्य बना दिया। रैली के दौरान श्रद्धालुओं ने "जय श्रीराम" के नारों से वातावरण को धर्ममय कर दिया। रैली पश्चात सेक्टर-09 चौक पर विशाल भगवा ध्वजारोहण किया गया। ध्वजारोहण के साथ ही श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से श्री हनुमान चालीसा का पाठ किया। हजारों की संख्या में उपस्थित भक्तों ने एक स्वर में चालीसा का पाठ कर आस्था और ऊर्जा का अद्वितीय संगम प्रस्तुत किया। इसके बाद भव्य महाआरती संपन्न हुई, जिसमें श्रद्धालुओं ने दीप जलाकर प्रभु श्रीराम और हनुमान जी के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की।

समाज को जोड़ने के लिए आयोजन

कार्यक्रम को समिति के प्रांतीय महामंत्री श्री बुद्धन ठाकुर ने भी संबोधित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज को जोड़ने और युवाओं को अपनी संस्कृति से जोड़ने का माध्यम हैं। श्री ठाकुर ने श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे आगामी श्रीरामनवमी महाउत्सव में भी अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर इसे भव्यता प्रदान करें। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति की परंपराओं को जीवंत बनाए रखना ही समिति का संकल्प है।

शोभायात्रा में महिलाएं भी हुईं शामिल

आयोजन में नगरवासियों का उत्साह देखते ही बन रहा था। विभिन्न सामाजिक संगठनों के सदस्य, युवा और महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सामूहिक हनुमान चालीसा और महाआरती के दौरान श्रद्धालुओं ने दीप जलाकर वातावरण को आलोकित कर दिया। आयोजन स्थल पर भक्तिमय संगीत और भजन गूंजते रहे, जिससे पूरा चौक आध्यात्मिक ऊर्जा से भर गया। इस अवसर पर हिंदू नववर्ष पर देवी-देवताओं के जयकारे लगे। विधि-विधान से पूजा अर्चना के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

हिंदू नववर्ष संस्कृति, परंपरा व आध्यात्मिकता का उत्सव

समिति के युवा विंग अध्यक्ष मनीष पाण्डेय ने सभी को हिन्दू नववर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हिन्दू नववर्ष केवल कैलेंडर का बदलाव नहीं है, बल्कि यह हमारी संस्कृति, परंपरा और आध्यात्मिकता का उत्सव है। श्रीराम जन्मोत्सव समिति पिछले 40 वर्षों से लगातार श्रीरामनवमी महाउत्सव का आयोजन करती आ रही है, जो आज भिलाई ही नहीं बल्कि पूरे प्रदेश में आस्था और एकता का प्रतीक बन चुका है। श्री पाण्डेय ने कहा कि समिति का उद्देश्य समाज में एकता, आस्था और संस्कृति का संदेश देना है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे आयोजन में शामिल होकर अपनी ऊर्जा और उत्साह से वातावरण को और अधिक भव्य बनाएँ।

महिलाओं ने निकाली रैली

रैली में महिलाओं ने दिखाई शक्ति एकता और सनातन गौरव की झलक

दुर्ग। हिंदू नववर्ष विक्रम संवत 2083 चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के पावन अवसर पर आदिशक्ति (हिंदू युवा मंच की महिला इकाई) ने प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी दुर्ग शहर में भव्य वाहन रैली का आयोजन किया। इस रैली ने न केवल शहर को भगवामय कर दिया, बल्कि सनातन संस्कृति, महिला सशक्तिकरण और युवा पीढ़ी में सांस्कृतिक जागरूकता का संदेश दिया गया। र

ैली शहीद चौक से शुरू होकर गांधी चौक होते हुए चंडी मंदिर पहुंची।मंदिर पर पहुंचकर हजारों महिलाओं और कार्यकर्ताओं ने मां चंडिका की महाआरती में भाग लिया। रैली में सभी ने केसरिया साफा, भारतीय पारंपरिक वेशभूषा और उत्साह से सजकर दोपहिया व चारपहिया वाहनों पर सवार होकर भाग लिया। यह दृश्य न केवल शक्ति का प्रतीक था, बल्कि सनातन धर्म की महिलाओं की एकजुटता और सशक्तिकरण का भी अद्भुत प्रदर्शन था। महापौर अलका बाघमार, बीजेपी अध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, अरुण सिंह, स्वीटी कौशिक, स्वाती साहू, डॉ. मानसी गुलाटी, तृप्ति चंद्राकर, रजनी बघेल, हिन्दू युवा मंच के प्रदेश संयोजक गोविंद राज नायडू, महामंत्री राजेश शर्मा, अध्यक्ष श्रीकुमार नायर सहित अन्य मौजूद थे।

आयोजन

ताज दरबार में रोजा इफ्तार के दौरान जुटे सर्वधर्म के लोग

भिलाई। ताज दरबार नानी अम्मा कैंप एक साक्षरता चौक के सामने भिलाई में हजरत बाबा ताजुद्दीन औलिया के मुरीद और चाहने वाले बड़ी तादाद में 17 मार्च को इकट्ठा हुए। बाबा ताज के उर्स पाक के मौके पर इस बार यहां 27 वें रोजे की इफ्तार कराई गई। जिसमें बड़ी तादाद में रोजेदारों के साथ सर्वधर्म के अकीदतमंदों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

नानी अम्मा कैंप एक साक्षरता चौक के सामने कार्यक्रम

इसके बाद आम लंगर का एहतमाम भी किया गया था। हज़रत बाबा ताजुद्दीन औलिया सेवा समिति भिलाई की अध्यक्ष ताज अंजुम ताजी एवं ताज दरबार की खिदमत गुज़ार अध्यक्ष- हज्जन बदरुनिसा ताजी और गद्दीनशीन मोहम्मद सादिक ताजी ने बाबा के मुरीदों और चाहने वालों के साथ बाबा ताज के आस्ताने पर लोभान पेश की।

फिर चादर पोशी की रस्म अदा की गई। बाबा के खिदमत गुज़ार के आशियाने से लाई गई संदल बाबा हुजूर में पेश की गई। इस मौके पर सभी के लिए खास दुआएं भी की गई। ताज दरबार में गद्दीनशीन मोहम्मद सादिक ताजी का इस्तकबाल फूलों से किया गया।

सिटी लाइव

पवन दीवान विशेषांक का विमोचन शोधार्थियों को प्रतियां वितरित

भिलाई। पं. जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में हिंदी साहित्य के प्रोफेसर डॉ. मलखान सिंह ने नव आगमन पत्रिका के संत पवन दीवान विशेषांक का विमोचन किया। डॉ. परदेशीराम वर्मा यहां अपनी कहानियों के रूसी अंग्रेजी और उर्दू अनुवाद के सन्दर्भ में लेखक से मिलिए कार्यक्रम में हिंदी के विद्यार्थियों के बीच जेएनयू में व्याख्यान के लिए आमंत्रित थे। शिक्षाविद स्मिता वर्मा, नीतीश मौजूद रहे। एमए के विद्यार्थी एवं शोध छात्र बड़ी संख्या में उपस्थित थे। देश के सभी प्रान्तों के मेधावी छात्रों के साथ छत्तीसगढ़ के चार छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहीं। जांजगीर के तन्मय कश्यप, बिलासपुर की श्रेया सिंह यादव, रायपुर से श्रावणी वर्मा, बिलासपुर से मिलिंद साहू उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन पीयूष प्रखर ने किया। बारह छात्रों ने परदेशी राम वर्मा की कहानियों का विश्लेषण कर मन्तव्य दिया। परदेशी राम वर्मा ने अपनी कहानियों की पृष्ठभूमि पर सविस्तार बताया। नव आगमन की प्रतियां बच्चों एवं शोधार्थियों में वितरित किया गया।

दिल्लीवार महिला कूर्मि क्षत्रिय समाज का होली मिलन में हुए सांस्कृतिक कार्यक्रम

दुर्ग। दिल्लीवार महिला कूर्मि क्षत्रिय समाज नगर इकाई द्वारा होली मिलन कार्यक्रम सामाजिक भवन सुभाषनगर में आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि जिला पंचायत की पूर्व अध्यक्ष माया बेलचंदन थीं। विशेष अतिथि रूप से बीना महतेल, चित्रलेखा देशमुख, मनीषा देशमुख मौजूद थे। कार्यक्रम का शुभारंभ शिवाजी महराज एवं दाऊ ढाल सिंह दिल्लीवार की तैल चित्र में माल्यार्पण से हुआ। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में समाज की महिलाओं को जागरूक होने एवं सामाजिक कार्यों में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रेरित किया गया। महिलाओं के लिए विभिन्न खेलों का आयोजन किया गया, जिसमें कुर्सी दौड़, गोली चम्मच एवं फुगड़ी प्रमुख थे, सभी विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। तत्पश्चात संगीत की धुन में सभी महिलाओं के द्वारा फूलों एवं गुलाल से होली खेला गया। इस अवसर पर केवरा देशमुख, सुनीता देशमुख, रुक्मणि देशमुख, कविता देशमुख, लीला देशमुख, चुन्नी देशमुख, अमिता हरमुख, नंदनी देशमुख, अर्चना हरमुख, शीला बेलचंदन, रश्मि बेलचंदन, जयंती गौतम, अनीता दिल्लीवार, जागृति देशमुख, गायत्री देशमुख, नारायणी देशमुख, वेद कुमारी देशमुख, बबीता देशमुख, सुषमा बेलचंदन, हेमलता देशमुख, प्रेम देशमुख, भुनेश्वरी देशमुख अर्चना अमृत, रश्मि देशमुख आदि उपस्थित थे।

विद्यार्थियों को स्वास्थ्य के प्रति किया गया जागरूक, मिलेट्स को आहार में शामिल करने किया प्रेरित

मिलेट फेस्टिवल में कुकिंग, पुष्पा सज्जा, सलाद हस्तकला, रंगोली के साथ हुई प्रश्नमंच परिचर्चा

कार्नर न्यूज

भिलाई। महाविद्यालय में मिलेट फेस्टिवल के अंतर्गत वर्कशॉप-सेमिनार एवं मिलेट कुकिंग, पुष्पा सज्जा, सलाद, हस्तकाल, रंगोली प्रश्नमंच परिचर्चा प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के अनेक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि फ़ूड न्यूट्रिशन की विषय विशेषज्ञ नोडल अधिकारी फ़ूड फेस्टिवल - श्रीअन्न मिलेट दुर्ग डिवीज़न डॉ. अभया आर जोगलकर थे। महाविद्यालय की प्रभारी प्राचार्य डॉ. शीला विजय ने पुष्प गुच्छ भेंटकर अतिथि का स्वागत किया। डॉ. शीला विजय ने कहा कि मिलेट फेस्टिवल के माध्यम से विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ेगी तथा वे मोटे अनाज को अपने दैनिक आहार में शामिल करने के लिए प्रेरित होंगे।

विजेता प्रतिभागियों को किया गया सम्मानित

कार्यक्रम के अंत में विजेता प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। आयोजन की सफलता के लिए सभी प्रतिभागियों और आयोजकों को बधाई दी गई। डॉ. जोगलकर ने कहा कि आज कासमय मिलेट्स के सेवन के विषय में बात करने का है। बीमार होने में कोई बहादुरी नहीं है, स्वस्थ लेकिन जीने में ही बहादुरी निहित है। यह पसंद आपकी है। इसमें मिलेट में सफलता की कहानियां इस प्रकार है। लखरी बाई ने राजस्थान में पारंपरिक बाजरा खेती ने किसानों को आर्थिक सुधार और पर्यावरण के लाभों का अनुभव कराया। पलक झररा के द्वारा कोविड-19 लॉक डाउन में चालू होना प्रारंभ किया। हम आज मिलेट्स के विषय में क्यों बात करें। मिलेट्स कुपोषण को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। मिलेट्स वर्तमान में पूरे विश्व में उपयोग किये जाते हैं। विशेष रूप से इन फसलों में जल, पानी की कमी है। पारंपरिक अनाज जो कि हमारी सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा हैं। ये राष्ट्रीय कृषि में महत्वपूर्ण भूमिकानिभाते हैं एवं भारतीय परंपरा में गहरे जुड़े हुए हैं।

अनाज को बांटा गया है तीन वर्गों में

अनाज को तीन वर्गों में बांटा गया है। एक में फाइबर अधिक होता है जैसे कंगनी, सामा, सनवा, कोदो छोटी कंगनी, दूसरा बाजरा, ज्वार, रागी, मक्का और तीसरा गेहूं, चावल मिलेट्स हमारे स्वास्थ्य के लिए उत्तम होते हैं। क्योंकि इसमें रेशे, प्रोटीन, विटामिन बी कॉम्प्लेक्स, आयरन, पोटेशियम,मैग्नीशियम, कम शर्करा, वसीय अम्ल पाए जाते हैं। ये एंटी कैंसर, एंटी डायबिटीज, एंटी ऑक्सीडेंट तनावउच्च रक्तचाप को कम करता है। दिन में कम से कम एक आहार मिलेट्स का लें। नाश्ते में शामिल करें उपमा, इडली, पोहा, डोसा, ढोकला।मिश्रण बनाकर न खाएं। मोटे अनाज से आप रोटी, उपमा, अप्पे, सूप, स्मूदी, खीर,इडली, पास्ता, केक, मठरी, गुड़िया बाटी उससे पीलालड्डू बना सकते हैं। कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर डॉ अल्पना देशपांडे ने कहा कि मिलेट स्वास्थ्य के लिए अत्यंत लाभकारी होते हैं।

हेल्थ टिप्स

शरीर से टॉक्सिन्स निकालने के कुछ जरूरी तरीके आजमाएं

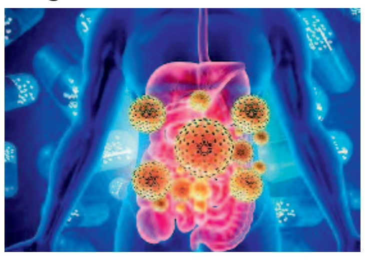

शरीर में टॉक्सिन्स होने के कारण हम कई बीमारियों से जूझते हैं। इन टॉक्सिन्स को निकालना बहुत आवश्यक है। आइए एक्सपर्ट से जानें शरीर से टॉक्सिन्स निकालने का प्रभावी तरीका।

आज हमारी जीवनशैली ऐसी हो ली है कि हम अपने पर्यावरण और आहार के माध्यम से लगातार तरह-तरह के विषाक्त पदार्थों के संपर्क में आते हैं। ये विषाक्त पदार्थ समय के साथ हमारे शरीर में जमा होने लगते हैं। विषाक्त पदार्थों के सामान्य स्रोतों में पॉल्यूटेंट्स, कीटनाशक, सिंथेटिक रसायन और प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों में शामिल एडिटिव्स हैं। जब ये हमारे शरीर में प्रवेश करते हैं, तो वे हमारे अंगों और ऊतकों में जमा हो सकते हैं, जिससे सूजन, ऑक्सीडेटिव तनाव और सेलुलर डैमेज हो सकता है।

गलत खाने का प्रभाव हमारे शरीर पर बहुत ज्यादा पड़ता है। इसके कारण थकान और कई ऑटो इम्यून बीमारियां हो सकती हैं। इतना ही नहीं, शरीर में टॉक्सिन्स यदि काफी समय तक रहें, तो अन्य गंभीर स्थितियां और स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकते हैं। ऐसे में जरूरी है कि हमारे शरीर से ये टॉक्सिन्स समय-समय पर बाहर निकलें।हालांकि, हमारे शरीर में मुख्य रूप से लिवर, गुर्दे, त्वचा, फेफड़े और पाचन तंत्र के माध्यम से विषाक्त पदार्थों बाहर निकाला जा सकता है। ये अंग शरीर को डिटॉक्सीफाई करने और आंतरिक संतुलन बनाए रखने के लिए मिलकर काम करते हैं।

मगर कई बार, हमारे शरीर की डिटॉक्सिफिकेशन की क्षमता खत्म हो जाती है, तो विषाक्त पदार्थ फैट सेल और अन्य ऊतकों में जमा हो सकते हैं, जिससे स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। जानी-मानी न्यूट्रिशनिस्ट अंजली मुखर्जी ने शरीर से टॉक्सिन्स निकालने का तरीका बताया है। आइए उनसे इसके बारे में विस्तार से जानें। व्रत रखने के कई सारे स्वास्थ्य लाभ हैं। अंजली बताती हैं कि यह शरीर से टॉक्सिन्स रिलीज करने में भी मदद करता है। आइए एक्सपर्ट से जानें कि फास्टिंग आपके लिए कैसे उपयोगी हो सकती है-

उपवास रखने से टॉक्सिन्स आसानी से होते हैं शरीर से बाहर

फास्टिंग के कई बेनिफिट्स हैं और उनमें से एक है कि शरीर की डिटॉक्सिफाई करने की क्षमता को उत्तेजित करता है। जब हम उपवास करते हैं, तो हमारा शरीर ऊर्जा के प्राथमिक स्रोत के रूप में ग्लूकोज का उपयोग करने के बजाय फ्यूल के लिए फैट जलाता है। यह मेटबॉलिज्म बदलाव फैट सेल में स्टोर हुए विषाक्त पदार्थों को रिलीज करने के लिए ट्रिगर करता है, जिससे उन्हें कई मार्गों के माध्यम से शरीर से बाहर निकाला जा सकता है।

टॉक्सिक ओवरलोड को कर सकता है रिवर्स

समय के साथ, हमारे शरीर में पर्यावरण प्रदूषकों, प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों और तनाव सहित कई जगहों से विषाक्त पदार्थ इकट्ठा हो जाते हैं। उपवास रखने से शरीर को डिटॉक्सिफिकेशन करने और इन स्टोर्ड विषाक्त पदार्थों को खत्म करने का अवसर मिलता है। इससे हमारे अंगों पर बोझ कम होता है और स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है।

सेलुलर रिपेयर में मिल सकती है मदद

उपवास के दौरान, हमारा शरीर ऑटोफैगी नामक प्रक्रिया से गुजरता है, जहां क्षतिग्रस्त कोशिकाएं टूट जाती हैं और रिसाइकल हो जाती हैं। यह सेलुलर रिपेयर सिस्टम न केवल विषाक्त पदार्थों को हटाने में मदद करता है बल्कि स्वस्थ कोशिकाओं, टिश्यू और अंगों के पुनर्जनन को भी बढ़ावा देता है, जिससे स्वास्थ्य में सुधार हो सकता है।

ब्लड प्रेशर और शुगर के स्तर को नियंत्रित करने में मदद कर सकता है फास्ट रखने से इंसुलिन प्रतिरोध को कम करने में मदद मिल सकती है। इतना ही नहीं, इससे इंसुलिन संवेदनशीलता में सुधार करके, ब्लड शुगर के स्तर को नियंत्रित करने और टाइप 2 मधुमेह के खतरे को कम करने में मदद मिल सकती है। इससे ब्लड प्रेशर भी कम हो सकता है और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा कम हो सकता है, जिससे हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है और हृदय रोगों का खतरा कम होता है।

कोलेस्ट्रॉल की संतुलित मात्रा हमारे शरीर के लिए जरूरी

कोलेस्ट्रॉल का बढ़ना या कम होना दोनों है आपके लिए जोखिम, साइड इफेक्ट का भी रहता है खतरा

ब्लड में कोलेस्ट्रॉल बढ़ने के कारण होने वाली समस्याओं से हम सभी परिचित हैं, ये हृदय रोगों और हार्ट अटैक का प्रमुख कारण माना जाता है। आहार और लाइफस्टाइल में गड़बड़ी के कारण कोलेस्ट्रॉल का स्तर बढ़ सकता है, जिसके कारण होने वाले जोखिमों को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञ सभी लोगों को अलर्ट करते रहे हैं। पर क्या आप जानते हैं कि कोलेस्ट्रॉल असल में शरीर के सामान्य कार्यों को लिए जरूरी होता है। इतना ही नहीं अगर ब्लड में गुड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा ज्यादा कम हो जाती है तो इसके कई प्रकार के साइड इफेक्ट्स भी हो सकते हैं। हाई कोलेस्ट्रॉल के स्तर से कोरोनरी आर्टरी डिजीज का जोखिम रहता है। पर यहां जानना जरूरी है कि कोलेस्ट्रॉल की उचित मात्रा हमारे शरीर के लिए जरूरी भी है। कोलेस्ट्रॉल एक मोमी, वसा जैसा पदार्थ होता है। ये सेल मेंब्रेन और कई प्रकार के हार्मोन्स के निर्माण में महत्वपूर्ण माना जाता है। आइए जानते हैं कि इसकी अधिकता और कमी का शरीर पर क्या असर होता है?

कोलेस्ट्रॉल भी शरीर के लिए जरूरी

कोलेस्ट्रॉल की कमी से होने वाले दुष्प्रभावों को जानने से पहले ये समझना जरूरी है कि ये दो प्रकार का होता है- गुड कोलेस्ट्रॉल और बैड कोलेस्ट्रॉल। हृदय रोगों के लिए जिस कोलेस्ट्रॉल के बढ़ने को हानिकारक माना जाता है वह है बैड कोलेस्ट्रॉल। ये रक्त वाहिकाओं में जमा होकर खून के संचार को बाधित कर देता है जिससे हृदय और शरीर के अन्य अंगों में पर्याप्त मात्रा में रक्त नहीं पहुंच पाता है। इसकी अधिकता के कारण हार्ट अटैक तक होने का जोखिम हो सकता है।पर गुड कोलेस्ट्रॉल का स्तर ठीक बना रहना सेहत के लिए आवश्यक है।

गुड कोलेस्ट्रॉल क्या है?

गुड कोलेस्ट्रॉल को एचडीएल (हाई डेंसिटी लिपोप्रोटीन) कोलेस्ट्रॉल भी कहा जाता है। ये रक्त में अतिरिक्त कोलेस्ट्रॉल को अवशोषित करता है और इसे वापस लिवर में ले जाता है फिर लिवर इसे शरीर से बाहर निकाल देता है। एचडीएल कोलेस्ट्रॉल का स्तर ठीक रहने से हृदय रोग और स्ट्रोक के जोखिम को कम करने में मदद मिल सकती है। आहार को ठीक रखकर शरीर में गुड कोलेस्ट्रॉल को बढ़ावा देने में मदद मिल सकती है।

गुड कोलेस्ट्रॉल की कमी से होने वाली समस्याएं

कोलेस्ट्रॉल की अधिकता की अक्सर चर्चा होती है पर क्या आप जानते हैं कि अगर ब्लड में गुड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा सामान्य से कम हो जाए तो इसके कई प्रकार के नुकसान भी हो सकते हैं?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ अभी भी लो गुड कोलेस्ट्रॉल और इसके कारण होने वाले स्वास्थ्य जोखिमों के बीच संबंध के बारे में अधिक जानने की कोशिश कर रहे हैं। बहुत लो एचडीएल कोलेस्ट्रॉल को कैसे परिभाषित किया जाए, इस पर भी कोई सहमति नहीं है, लेकिन एचडीएल को बहुत कम तब माना जा सकता है यदि यह 40 मिलीग्राम प्रति डेसीलीटर से कम है।

गुड कोलेस्ट्रॉल की कमी के जोखिम

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, वैसे तो गुड कोलेस्ट्रॉल की कमी के मामले काफी दुर्लभ हैं, पर कुछ अध्ययनों में पाया गया है कि एचडीएल कोलेस्ट्रॉल का बहुत कम स्तर कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है। गुड कोलेस्ट्रॉल की कमी के कारण कैंसर, रक्तस्रावी स्ट्रोक, अवसाद-चिंता विकार हो सकता है। इसके अलावा यदि गर्भावस्था के दौरान आपका गुड कोलेस्ट्रॉल कम हो जाता है तो समय से पहले जन्म और जन्म के समय बच्चे का वजन कम होने का खतरा हो सकता है। हालांकि इस तरह के मामले कम देखे जाते रहे हैं।

चैत्र नवरात्रि में करने जा रहे हैं नए घर में प्रवेश तो जरूर जानें शास्त्रों से जुड़ी कुछ बातें

अगर आप चैत्र नवरात्रि के दौरान नए घर में प्रवेश कर रहे हैं, तो आपको कुछ बातों का ध्यान रखने की जरूरत होती है, जिससे किसी तरह की नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश नए घर में न हो सके।

मुख्य द्वार पर अशोक या आम के पत्तों का तोरण लगाएं

यदि आप नए घर में प्रवेश के समय घर के मुख्य द्वार को पवित्र और सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर बनाए रखने के लिए अशोक या आम के पत्तों का तोरण लगाएं, तो यह आपके लिए बहुत शुभ हो सकता है। यह उपाय घर को नकारात्मक शक्तियों से बचाने में सहायक होता है।

मान्यता के अनुसार, अशोक के पत्ते सुख-शांति के प्रतीक माने जाते हैं और बुरी नजर से बचाते हैं। वहीं, आम के पत्तों का तोरण लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसे मुख्य द्वार के ऊपर स्थापित करने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

गृह प्रवेश के समय जरूर करें कलश स्थापना

नए घर में गृह प्रवेश करने के दौरान कलश की स्थापना को विशेष रूप से शुभ माना जाता है। यह समृद्धि, सकारात्मक ऊर्जा और देवी लक्ष्मी की कृपा को आमंत्रित करता है। नए घर में प्रवेश करते समय आप सबसे पहले एक तांबे या मिट्टी का कलश लें और उसमें स्वच्छ जल भरें।

कलश में आम के आठ पत्ते लगाएं और उसके ऊपर एक नारियल रखें। कलश पर सिंदूर या रोली से स्वस्तिक का चिह्न बनाएं, जिसे शुभता और सौभाग्य का प्रतीक माना जाता है। इसे मुख्य द्वार के पास या पूजा स्थान पर रखें और मंत्रोच्चारण के साथ इसकी पूजा करें। गृह प्रवेश से पहले, यह कलश देवी-देवताओं का आह्वान करने और घर में सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखने का कार्य करता है।

शादीशुदा लोग जोड़े में ही गृह प्रवेश करें

यदि गृह प्रवेश करने वाले व्यक्ति पति-पत्नी हैं, तो उन्हें साथ में ही नए घर में प्रवेश करना चाहिए। यह शुभ संकेत माना जाता है और गृहस्थ जीवन में प्रेम, समर्पण और सौहार्द को बढ़ाने में सहायक होता है। गृह प्रवेश के समय महिलाओं को अपना बायां पैर पहले रखना चाहिए, क्योंकि यह मंगलकारी माना जाता है। वहीं पुरुषों को अपना दाहिना पैर आगे बढ़ाते हुए घर में प्रवेश करना चाहिए, जिससे जीवन में शुभता और समृद्धि बनी रहती है। प्रवेश के समय मन में सकारात्मक विचार और भगवान का स्मरण करना चाहिए।

गृह प्रवेश से पहले घर की शुद्धि करें

नए घर में प्रवेश करने से पहले उसकी शुद्धि करना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है, जिससे वहां पहले से मौजूद किसी भी नकारात्मक ऊर्जा का नाश हो सके।इसके लिए आप सबसे पहले पूरे घर में गंगाजल छिड़कें। इससे घर की नकारात्मक ऊर्जा समाप्त होती है। यही नहीं, गृह प्रवेश के समय घर पर हवन करने से भी पूरे घर का शुद्धिकरण होता है।

बीएसपी और बिलासपुर ने जीत लिए अपने मैच

भिलाई। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित सीनियर वर्ग एलिट ग्रुप अंतर जिला क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत पांचवे एवं अंतिम राउंड के चौथे दिन राज्य के विभिन्न शहरों में मैच हुए। बीएसपी क्रिकेट ग्राउंड सिविक सेंटर में टीम बीएसपी ने रायपुर ब्लू के विरुद्ध 364 रन से जीत के साथ 6 अंक प्राप्त किए। बल्लेबाजी में बीएसपी ने दूसरी पारी अपने कल के स्कोर 6 विकेट पर 151 रन से आगे खेलते हुए 8 विकेट पर 309 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। अमनदीप खरे ने 89 रन एवं पियूष पिल्लै ने नॉट आउट 57 रन बनाए। बल्लेबाजी में रायपुर ब्लू टीम दूसरी पारी 81 रन पर आउट हो गई। गेंदबाजी में बीएसपी के मनराज सिंह ढिल्लन ने 8 विकेट एवं जीवेश बुट्टे ने दो विकेट लिए। दिग्विजय स्टेडियम राजनांदगांव में टीम बिलासपुर ने जांजगीर चांपा के विरुद्ध मैच 273 रन से जीता एवं 6 अंक प्राप्त किए। बल्लेबाजी में जांजगीर चांपा दूसरी पारी अपने कल के स्कोर 5 विकेट पर 54 रनो से आगे खेलते हुए 200 रन बनाकर आउट हो गई। टीम के कप्तान साहबान खान ने नॉट आउट 102 रन बनाए।

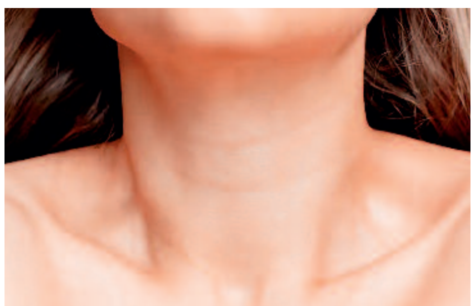

गर्दन पर पड़ी रेखाएं बताती हैं सेहत का हाल, इन लक्षणों पर दें ध्यान

गर्दन पर पड़ने वाली रेखाओं को सिर्फ स्किन की परेशानी समझ कर नजरअंदाज करने की भूल न करें। असल में ये रेखाएं गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकती हैं, इसलिए आपको इसकी असल समस्या को जानना और समझना होगा।

त्वचा न सिर्फ शरीर का बाहरी आवरण है, बल्कि यह पूरे शरीर का प्रतिबिंब है। शरीर की अंदरुनी समस्याओं के लक्षण अक्सर त्वचा पर दिख जाते हैं, जैसे कि गर्दन पर पड़ने वाली रेखाएं भी काफी हद तक आपकी सेहत का हाल बयां करती हैं। ऐसी स्थिति में गर्दन पर पड़ी रेखाओं से निजात दिलाने में सिर्फ स्किन केयर कारगर साबित नहीं हो सकता है, बल्कि

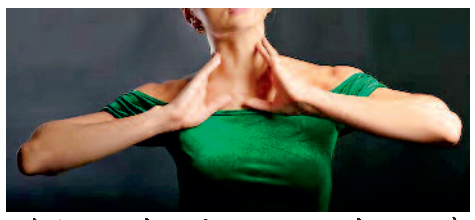

इसके लिए आपको इसकी असल समस्या को जानना और समझना होगा।

आपको बताने जा रहे हैं कि कि गर्दन पर पड़ने वाली रेखाएं किस तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का संकेत हो सकती हैं। डॉ. विप्लव कांबले इस बारे में दे रहे हैं खास जानकारी। डॉ. विप्लव कांबले बताते हैं कि किसी व्यक्ति के त्वचा के प्रकार और उसमें होने वाले बदलाव से काफी हद तक आंतरिक स्वास्थ्य स्थिति का पता चलता है। बात अगर आप गर्दन पर पड़ने वाली रेखाओं की करें तो धूप, बाहरी प्रदूषण के अलावा शारीरिक स्थिति भी इसके लिए काफी हद तक जिम्मेदार हो सकती है। ऐसे में स्किन केयर के बावजूद आपके गर्दन पर रेखाएं बनती दिख रही हैं तो आपको इसके लिए गंभीर होने की जरूरत है।डॉ. विप्लव कांबले के अनुसार, कुछ शारीरिक समस्याओं और परिस्थितियों में गर्दन पर रेखाएं उभरने लगती हैं। इसलिए गर्दन पर पड़ने वाली रेखाओं को सिर्फ स्किन की परेशानी समझ कर नजरअंदाज करने की भूल न करें। असल में, ये रेखाएं गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकती हैं। चलिए अब उन समस्याओं के बारे में भी जान लेते हैं जिनके चलते ऐसी रेखाएं गर्दन पर दिखने लगती हैं।

डायबिटीज

अगर आपकी गर्दन पर काली रेखाएं या परत सी जम रही है तो यह डायबिटीज का संकेत हो सकता है। बता दें कि शरीर में इंसुलिन रेजिस्टेंस की वजह से इस तरह की स्किन समस्या उत्पन्न होती है, जिसे मेडिकल टर्म में एकैन्थोसिस नाइग्रिकन्स कहते हैं। इस स्थिति में शरीर में इंसुलिन की अधिकता के चलते गर्दन और दूसरी जगहों पर रेखाएं और काले धब्बे दिखने शुरू हो जाते हैं। इसलिए अगर आपकी गर्दन पर असामान्य रूप से रेखाएं दिखती हैं तो अपना शुगर जरूर चेक करें।

थायराइड

थायराइड की समस्या में भी गर्दन पर रेखाएं बननी शुरू हो जाती हैं। डॉ. विप्लव कांबले बताते हैं कि थायराइड में हार्मोनल असंतुलन के कारण स्किन संबंधी समस्याएं अक्सर हो जाती हैं, जिनमें गर्दन पर रेखाओं का दिखना भी शामिल है। इस तरह से देखा जाए तो थायराइड के कारण गर्दन पर रेखाएं और काली परत का दिखना एक आम लक्षण है, जिसकी समय रहते पहचान जरूरी है।ऐसा इसलिए क्योंकि थायराइड के कारण अक्सर शारीरिक थकान और कमजोरी की समस्या इस हद तक बढ़ जाती है कि लोगों के लिए सामान्य जीवन जी पाना मुश्किल हो जाता है। इसलिए स्थिति गंभीर होने से पहले ही इस संकेत को समझना जरूरी है।

मानसिक तनाव

मानसिक तनाव भी हमारी त्वचा की रूप-रंगत पर असर डालता है। असल में तनाव की स्थिति में शरीर में कोर्टिसोल का उत्पादन बढ़ जाता है, जिसके चलते कोलेजन उत्पादन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

कार्नर न्यूज

शोधकर्ताओं ने खोले इंटैलीजेंस से जुड़े कई नए राज

आपका बच्चा करता है खुद से बातें तो हो जाएं सचेत इस बाल सुलभ आदत का है इंटैलीजेंस से सीधा संबंध

हममें से अधिकतर लोग मुश्किल हालात में खुद से बात करते हैं। बच्चे भी खुद से बातें करते हैं। अकेले में खुद से ही कुछ कहकर खुद ही उत्तर देना क्या उनके लिए सामान्य है? दिल्ली की रहने वाली रीना की बेटी सौम्या दूसरों बच्चों से उतनी बात नहीं करती, जितना कि खुद से करती है। रीना कई बार सौम्या को समझा चुकी है, लेकिन वह खुद से ही बातें करती रहती है। रीना इससे परेशान हो चुकी है, इसलिए उसने यह समस्या अपनी दोस्त हेमलता से साझा की। हेमलता ने रीना को बताया कि शोधकर्ताओं के अनुसार, इंटेलिजेंस और बच्चों का खुद से बात करना, दोनों का आपस में गहरा संबंध है। खुद से बात करने की आदत उनके भाषायी विकास में भी बहुत योगदान करती है और उनके व्यवहार को विकसित करने में भी मदद करती है। हेमलता की बात से रीना तो संतुष्ट हो गई, लेकिन सवाल यह है कि क्या हेमलता सही कह रही है?

आत्मसंवाद कौशल

जब बच्चे खुद से बातें करते हैं तो इसके कई लाभ होते हैं। यह उनके आत्मसंवाद कौशल को विकसित करता है, जो कि उनमें स्वतंत्रता और स्वाधीनता की भावना को विकसित करता है। साथ ही इससे उनकी सोचने की क्षमता बढ़ती है और वे अपनी परेशानियों और परिस्थितियों को खुद हल करना सीखते हैं, जो भविष्य में मददगार साबित हो सकता है।

अभिव्यक्ति की क्षमता

जो बच्चे खुद से बात करते हैं, वे अपने विचारों को स्पष्ट ढंग से व्यक्त कर पाते हैं। अपने विचारों को मन में बोलकर बच्चे उसे सरल शब्दों में कहना भी सीखते हैं। इसके अलावा वे स्वतंत्र रूप से अपने विचारों को रखना भी सीखते हैं, वह भी बिना डरे। इतना ही नहीं, बच्चों का खुद से बात करना उन्हें एक मिलनसार व्यक्ति के रूप में विकसित होने में भी मदद करता है, जिसका मतलब है कि वे भविष्य में किसी भी अन्य व्यक्ति से आसानी से बात कर सकते हैं।

व्यक्तित्व विकास जरूरी

खुद से बात करने वाला बच्चा अपनी सोच को स्थिर करने की क्षमता रखता है, जिससे उसके व्यक्तित्व का विकास होता है। यह इस बात को भी दर्शाता है कि आपका बच्चा मानसिक रूप से स्वस्थ है, साथ ही वह बुद्धिमान भी है। खुद से बात करना उन्हें सकारात्मक और नकारात्मक विचारों को समझने में भी मदद करता है। सिर्फ यही नहीं, बच्चों का खुद से बात करना उनके दिमाग को लॉजिकल यानी तार्किक तरीके से काम करने में भी मदद करता है।

खुद पर नियंत्रण

खुद से ही बातें करना बच्चों को अपने आप पर नियंत्रण करना भी सिखाता है। इससे उन्हें किसी भी विषय के विभिन्न पहलुओं को समझने में मदद मिलती है और उनकी सोच में एक नई दिशा का निर्धारण होता है। जब वे अपने विचारों और भावनाओं को स्वयं से साझा करते हैं तो पहले खुद उस बात का मतलब समझने का प्रयास करते हैं और उसके बाद ही अन्य व्यक्ति से कहते हैं। यह उन्हें अपने लक्ष्यों को सही दिशा में रखने और प्रभावी रूप से उन लक्ष्यों पर काम करने में मदद करता है।

अंतर को पहचानें

मनोवैज्ञानिक मेघा शर्मा बताती हैं, खुद से बात करने की क्रिया किसी भी उम्र में एक सामान्य व्यवहार का लक्षण है। इससे बच्चों की भाषा का विकास होता है, तनाव का स्तर कम रहता है, एकाग्रता में सुधार होता है, समस्या-समाधान के कौशल में सुधार होता है और बच्चे अपनी भावनाओं को संतुलित कर पाते हैं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

'अमेरिकन साइको' की रीमेक में लीड रोल नहीं निभाना चाहते 'हाई-प्रोफाइल' एक्टर्स

26 साल पहले आई फिल्म 'अमेरिकन साइको' ने दुनिया में धमाल मचा दिया था। अब लूका ग्वाडाग्निनो इस हिट थ्रिलर स्टोरी को नए वर्जन में बनाने वाले हैं। लूका ग्वाडाग्निनो अपने करियर में 'चैलेंजर्स' और 'कॉल मी बाय योर नेम' जैसी शानदार फिल्में बना चुके हैं। हॉलीवुड स्टार क्रिश्चियन बेल ने अपने करियर में कई यादगार किरदार निभाए हैं, लेकिन 2000 की थ्रिलर 'अमेरिकन साइको' में उनका पैट्रिक बेटमैन आज भी सबसे शानदार रोल्स में गिना जाता है। इस फिल्म का निर्देशन मैरी हैरन ने किया था और यह ब्रेट ईस्टन एलिस की किताब पर आधारित थी। अब इस कल्ट क्लासिक फिल्म के रीमैजिन वर्जन को लेकर नई चर्चा शुरू हो गई है। इस नए प्रोजेक्ट का निर्देशन लूका ग्वाडाग्निनो करने वाले हैं। हाल ही में ब्रेट ईस्टन एलिस ने अपने पॉडकास्ट में खुलासा किया कि कुछ 'हाई-प्रोफाइल' एक्टर्स ने इस नई फिल्म में पैट्रिक बेटमैन का किरदार निभाने का मौका ठुकरा दिया। हालांकि एलिस ने किसी भी एक्टर का नाम नहीं लिया, लेकिन उन्होंने कहा, 'शायद वे क्रिश्चियन बेल के जूतों में कदम नहीं रखना चाहते।' दरअसल, बेल ने इस साइकोपैथिक किरदार को इतनी दमदार और आइकॉनिक तरीके से निभाया था कि आज भी उस भूमिका की तुलना उनसे ही की जाती है। ऐसे में कई एक्टर किसी ऐसे किरदार को निभाने से हिचक सकते हैं, जो पहले से ही एक ताकतवर परफॉर्मेंस के साथ जुड़ा हो। लूका ग्वाडाग्निनो की आने वाली 'अमेरिकन साइको' रीइमैजिनिंग को फ्रेनेसी फिल्म कंपनी प्रोड्यूस कर रही है, जबकि प्रेसमैन फिल्म के सैम प्रेसमैन एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर हैं। फिल्म को लायंसगेट डिस्ट्रिब्यूट करेगा।

टॉलीवुड

पवन की 'उस्ताद भगत सिंह' पर यूजर्स खुल कर बोले, तारीफ के पुल भी बांधे

पवन कल्याण अपनी नई फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' के साथ एक बार फिर बड़े पर्दे पर आ चुके हैं। इसे देखकर फैंस ने प्रतिक्रिया दी है। साउथ के नेता और अ भि ने ता पवन कल्याण की अदाकारी वाली फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' सिनेमाघरों में रिलीज हो गई है। 120 करोड़ रुपये के बजट में बनी फिल्म को देखकर कई दर्शकों ने एक्स पर इसके बारे में लिखा है। एक यूजर ने फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' की तारीफ की है। उन्होंने एक्स पर फिल्म को लेकर लिखा 'उस्ताद भगत सिंह देखा। हरीश शंकर के बज के हिसाब से यह बहुत अलग है। पवन कल्याण बहुत अच्छे लगे हैं। स्क्रीन पर तबाही मचा दी।' एक यूजर ने 'उस्ताद भगत सिंह' की कमियां बताई हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा 'फिर वही बात। अंदाज पर जोर दिया लेकिन कहानी पर नहीं। 'उस्ताद भगत सिंह' बस फैन्स को खुश करने वाले पलों का एक शोर-शराबा और बेतरतीब जमावड़ा है। इसमें कोई जान नहीं है। अगर आपने इसकी ओरिजिनल फिल्म देखी है, तो इसे देखने की जहमत न उठाएं। इसका जरूरत से ज्यादा तेज म्यूजिक सुनकर मेरे कानों में अभी भी दर्द हो रहा है।' एक यूजर ने फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' पर आरोप लगाया है कि यह फिल्म सैफरन प्रोपेगेंडा को बढ़ावा देती है। एक यूजर ने 'उस्ताद भगत सिंह' को बहुत बुरी फिल्म बताया है। उन्होंने एक्स पर लिखा है 'सबसे खराब फिल्मों में से एक। यह आज की तारीख से बहुत पीछे है। यह 2006 से 2013 के समय को दिखाती है। ओजी देखने के बाद लगता है कि एक्टर को किसी और चीज पर काम करना चाहिए। बहुत खराब फिल्म है।' 19 मार्च को सिनेमाघरों में रिलीज हुई फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' में पवन कल्याण, श्री लीला, राशि खन्ना, आर पार्थिबन, आशुतोष राणा, नवाब शाह जैसे कलाकार हैं।

भोजपुरी

अक्षरा पर बरसी अम्बे मां की कृपा, दहेज लोभियों को सबक सिखाती दिखीं क्वीन

चैत्र नवरात्रि शुरू हो चुकी है। ऐसे में भोजपुरी अदाकारा अक्षरा सिंह पर अम्बे मां की कृपा बरसी है। दरअसल, बात हैं फिल्म 'अम्बे है मेरी मां' की। इस फिल्म का ट्रेलर शुक्रवार को रिलीज हुआ है। माता रानी की कृपा से फिल्म में अक्षरा दहेज लोभी ससुराल वालों को सबक सिखाती नजर आएंगी। फिल्म 'अम्बे है मेरी मां' का ट्रेलर बी4यू भोजपुरी के यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुआ है। करीब पांच मिनट के इस ट्रेलर में दिखाया गया है कि अक्षरा सिंह के सिर पर माता-पिता का साया नहीं है। वह चाचा-चाची के साथ रहती है और वो लोग घर के काम कराते हैं। परेशान रखते हैं। मगर, बचपन से अक्षरा की आस्था मां अम्बे में अटूट है। माता रानी भी अक्षरा की कदम-कदम पर रक्षा करती हैं। चाचा-चाची अक्षरा का रिश्ता तय कर देते हैं। अम्बे मां अक्षरा की मौसी बनकर शादी में आती हैं और मदद करती हैं। मगर, अक्षरा जब अपने ससुराल पहुंचती हैं तो दहेज की मांग करके ससुराल वाले घर से निकाल देते हैं। तब अम्बे मां ही अक्षरा की मौसी बनकर उनके ससुराल दहेज का सामान लेकर पहुंचती हैं और ससुराल में खुशी-खुशी छोड़कर आती हैं। मगर, दहेज लोभी ससुराल वालों की मांग बढ़ती जाती हैं। मोबाइल के रिचार्ज से लेकर घर के राशन तक सभी मांग मौसी पूरी करती हैं। एक मोड़ पर आकर अक्षरा जब इनकार कर देती हैं तो सुसराल वाले और पति उन पर अत्याचार करते हैं।

डोपामाइन ड्रेसिंग को समर के लिए परफेक्ट माना जाता है। इलेक्ट्रिक ब्लू, नियॉन ग्रीन और फायरी रेड जैसे चमकीले, हाई-इम्पैक्ट रंग मूड को अच्छा करने के लिए जाने जाते हैं। इसी तरह समर में 'इबीज़ा' बोहो स्टाइल भी ट्रेंड में है। क्रोशिया, शेल्स और फ्लोई, बोहेमियन प्रिंट्स का मिक्स कैज़ुअल आउटिंग के लिए सही है। शीयर और मेश में मेश और लेस जैसे ट्रांसलूसेंट फैब्रिक कूल रहने के लिए पॉपुलर हैं।

सॉफ्ट स्किन के लिए घर पर ऐसे तैयार करें गुलाब फेस पैक

सॉफ्ट स्किन पाने के लिए हम कई तरह के प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं लेकिन इसकी जगह आप गुलाब की पंखुड़ियों का इस्तेमाल कर सकती हैं।

गुलाब देखने में जितना सॉफ्ट होता है उससे ज्यादा मुलायम और नाजुक होती है हमारी त्वचा। इसके लिए हम कई तरह के प्रोडक्ट का इस्तेमाल करते हैं। इनकी वजह से इसकी सॉफ्टनेस कहीं खो जाती हैं। ऐसे में आपको जरूरत है एक ऐसे घरेलू नुस्खे की जिसका इस्तेमाल करके आप अपनी स्किन को सॉफ्ट बना सकती हैं। वो इंग्रीडिएंट है गुलाब की पंखुड़ियां। इसका इस्तेमाल करके आप घर पर फेस पैक तैयार कर सकती हैं और अपनी स्किन पर अप्लाई कर सकती हैं।

गुलाब फेस पैक बनाने के लिए सामग्री

गुलाब की पंखुड़ियां कच्चा दूध- 1/2 कप गुलाब जल-1 चम्मच

गुलाब फेस पैक बनाने का तरीका इसके लिए पहले आपको पंखुड़ियों को अच्छे से साफ करना होगा। फिर इन्हें मिक्सी में पीसकर इनका पेस्ट बनाना होगा। अब इन्हें एक कटोरी में निकाल लें। इसके बाद इसमें दूध और गुलाब जल को एड करें। अब इसे दोबारा मिक्सी में मिलाएं और पेस्ट बनाएं।

ऐसे लगाएं गुलाब फेस पैक

मिक्सी में अच्छे से पीसने के बाद इसे एक कटोरी में निकालें। फिर इसे फेस पर अप्लाई करें। इस बात का ध्यान रखें की आंखों पर ये न लगे। इसके बाद इसे 15-20 मिनट के लिए चेहरे पर लगा रहने दें। अब नॉर्मल पानी से चेहरे (जंवा त्वचा के लिए फेस पैक) को धोकर साफ कर लें। फिर टॉवल से चेहरे साफ करें। इसके बाद मॉइश्चराइजर लगाएं। आपकी स्किन सॉफ्ट हो जाएगी। इसे आप हफ्ते में 2 बार ट्राई कर सकती हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

जब भी आप इस फेस पैक का इस्तेमाल करें तो चेहरे पर से मेकअप (ग्लोइंग स्किन के लिए फेस पैक) हटाएं। ये स्किन पर होने वाली खुजली, रेडनेस जैसी समस्या के लिए आप इसका इस्तेमाल कर सकती हैं। रात के समय इसे चेहरे पर अप्लाई न करें। आप घर पर ही इसे तैयार करें बाहर से कुछ भी पाउडर फॉम में लाकर इसे यूज करें। अगर स्किन पर कोई दिक्कत हो रही है तो स्किन एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें। इन तरीकों को अपनाने से पूर्व आपको स्किन पैच टेस्ट जरूर करना है। सबकी त्वचा अलग होती है, हम ऐसा कोई दावा नहीं कर रहे हैं कि ऊपर बताए गए तरीके से आपको इंस्टेंट लाभ पहुंचाएंगे।

जींस में दिखना है एक्स्ट्रा स्मार्ट तो खरीदने से पहले जरूर ध्यान दें

जींस एक बहुत ही आम पहनावा बन चुका है। हर उम्र के लोग इसे पहन रहे हैं। लेकिन अफसोस की ये सब पर बेस्ट लुक नहीं देती है। दरअसल लोग जींस फैशन के हिसाब से खरीदते हैं। जबकि जींस फैशन के हिसाब से नहीं बल्कि बॉडी पर सही फिटिंग के हिसाब से चुनी जानी चाहिए। चुनाव के कुछ तरीके और भी हैं। सही जींस कैसे चुनी जा सकती है, तरीके हम बताते हैं-

बॉडी शेप को पहचानें

जींस लेने से पहले अपने बॉडी टाइप और आकार को पहचानना जरूरी होता है। लेकिन जींस के हिसाब से खुद को फिट करने के लिए अपने बॉडी टाइप की जानकारी जरूरी होती है। अगर आप लंबे और पतले हैं तो आपके ऊपर स्किनी और स्ट्रेट लेग जींस फिट आएगी।पियर शेप बॉडी पर कर्वी फिट जींस अच्छी लगेगी। अगर कमर पर मोटापा ज्यादा है तो हाई राइज जींस पहनें। इससे कमर छोटी और थोड़ी पतली दिखेगी।

कभी न हो आउट ऑफ फैशन

जींस का वो पैटर्न खरीदें, जो कभी आउट ऑफ़ फैशन नहीं होता है। जैसे हाईराइज जींस या स्ट्रेट लेग जींस। जबकि बूटलेग्स जैसे जींस का फैशन हमेशा नहीं आता है।

सबसे अच्छा फैब्रिक

जींस का सबसे अच्छा फैब्रिक वो होता है जो पहले टच में ही सॉफ्ट लगे। साथ में इसमें थोडा स्ट्रेच भी हो लेकिन ये शेपलेस न हो। इस तरह की क्वालिटी की जींस खरीद कर आप सालों तक इसे इस्तेमाल कर पाएंगे। हो सकता है ऐसे फैब्रिक में जींस थोड़ी महंगी मिले लेकिन ये आपका साथ लंबे समय तक देगी।

ट्रेडिशनल ब्लू डेनिम है परफेक्ट

जींस का ट्रेडिशनल ब्लू कलर हमेशा वाला कलर है। ये कई सारे रंगों के साथ मैच होता है तो हर फैशन ट्रेंड का हिस्सा भी होता है। इसको पार्टी वियर अपर के साथ भी पहना जा सकता है तो कैजुअल आउटिंग के साथ भी।

फटी हुई एड़ियों को इनकी मदद से करें मॉइश्चराइज

बदलते हुए मौमस में जहां हम अपने चेहरे और हाथों की देखभाल करते केयर कर लेते हैं तो वहीं पैरों के मामले में थोड़ा केयरलेस हो जाते हैं। पैरों की त्वचा का सही तरीके से ध्यान नहीं रखने से एड़ियां फट जाती हैं जिसकी वजह से इनकी कोमलता खो जाती है। अब आप घर पर ही फटी हुई एड़ियों को मॉइस्चराइज कर सकते हैं सकती है। इस आर्टिकल में हम आपको उन चीजों के बारे में बताएंगे जो आपको आसानी से घर पर मिल जाएंगी और आपके पैरों की त्वचा का ख्याल रखने में मदद करेंगी।

शहद

फटी हुई एड़ियों को मॉइस्चराइज करने के लिए शहद का इस्तेमाल कर सकते हैं। शहद में एमिनो एसिड्स, विटामिन्स, मिनरल्स, आयरन, जिंक एंड एंटीऑक्सीडेंट्स जैसे कई गुण होते हैं जो फटी हुई एड़ियों को हील करने में मदद करते हैं।

घी

शहद के अलावा फटी हुई एड़ियों को हील करने के लिए घी का इस्तेमाल भी किया जा सकता है। घी में फैटी एसिड्स की अच्छी मात्रा होती है। इसके अलावा इसमें कई सारे विटामिन भी होते हैं जो फटी हुई एड़ियां ठीक करने का काम भी करते हैं।

एलोवेरा

एलोवेरा भी फटी हुई एड़ियों को ठीक करने में उपयोगी है। एलोवेरा औषधीय गुणों से भरपूर है। फटी हुई एड़ियों पर एलोवेरा जेल को लगाने से त्वचा कोमल और मुलायम रहती हैं।

नारियल तेल

नारियल का तेल बालों और त्वचा के उपयोगी है तो वहीं फटी एड़ियों की दरारों को कम करने में नारियल तेल उपयोगी है।

स्किन टाइप के अनुसार खरीदें आफ्टरशेव लोशन

शेविंग के बाद जलन होना आम है। लेकिन आफ्टर शेव लगाने के बाद जलन की कई वजहें हो सकती हैं। ऐसा स्किन टाइप के हिसाब से प्रोडक्ट का इस्तेमाल न करने से भी हो सकता है। किसी भी अच्छी मेंस शेविंग किट में आफ्टर शेव लोशन का होना बहुत जरूरी है। क्योंकि, शेविंग के बाद स्किन को फाइनल टच देने का काम अच्छे आफ्टर शेव के बिना करना मुश्किल है। ये फाइनल टच स्किन के लिए किसी असरदार दवा जैसा ही काम करता है।

क्यों जरूरी हैं आफ्टर शेव लोशन?

आफ्टर शेव लोशन का आविष्कार मूल रूप से शेविंग के दौरान लगने वाले छोटे कट्स के उपचार और एंटीसेप्टिक उत्पाद के रूप में किया गया था। ये आपको शेविंग के दौरान बेहतर अहसास और फिनिश का भी अहसास कराता है। आफ्टर शेव लोशन की सबसे महत्वपूर्ण सामग्री अल्कोहल है। अधिकांश पुरुषों की स्किन के लिए अल्कोहल अच्छी तरह से काम करता है। हालांकि कुछ स्किन टाइप पर अगर अल्कोहल की अधिक मात्रा का प्रयोग किया जाए तो ये स्किन में जलन, लालिमा और सूजन जैसे प्रभाव भी छोड़ सकता है। आमतौर पर आफ्टर शेव को आइसोप्रोपिल अल्कोहल या एथाइल अल्कोहल से बनाया जाता है। इसी अल्कोहल का प्रयोग हैंड सेनेटाइजर या घरेलू क्लीनर्स को बनाने में होता है। इसे रबिंग अल्कोहल भी कहा जाता है। लेकिन बीते कुछ साल में, मार्केट में आफ्टर शेव लोशन के कई विकल्प मिलने लगे हैं। इनमें शेविंग बाम और शेविंग लोशन आदि मौजूद हैं। ये स्किन पर कहीं ज्यादा मुलायम और हेल्दी फील देने वाले प्रोडक्ट्स हैं। हालांकि, अब मार्केट में प्राकृतिक आफ्टर शेव भी आ गए हैं। इन आफ्टर शेव को जोजोबा और नारियल के तेल से बनाया जाता है।

कार्नर न्यूज

जींस के साथ कुर्ती में मौजूद है ढेर सारे ऑप्शन

ऑफिस में बैल बॉटम जींस के साथ वियर करें कुर्ती कूल लुक आपको भीड़ में भी देगा अलग रौनक

जींस के साथ इस बार टॉप नहीं कुर्ती को स्टाइल करें। इसमें आप खूबसूरत भी नजर आएगी।जींस पहनना आप पसंद करती हैं तो इसके साथ इस बार टॉप की जगह कुर्ती को वियर करें। कुर्ती में काफी सारे ऑप्शन आपको मिल जाएंगे। जिसे आप ऑफिस या किसी खास दिन में वियर कर सकती हैं। इसमें आपका लुक भी अच्छा आएगा। साथ ही आप कम्फर्टेबल नजर आएगी। बस आपको डिजाइन और पैटर्न का ध्यान रखना पड़ेगा ताकि जब आप इसे वियर करें तो किसी तरह की कोई परेशानी न हो। चलिए आपको बताते हैं किस तरह की कुर्ती को आप वियर कर सकती हैं।

फ्रंट कट स्टाइल कुर्ती

अगर आपको स्टाइलिश लुक क्रिएट करना है तो इसके लिए आप बेल बॉटम पैंट के साथ फ्रंट कट कुर्ती को स्टाइल कर सकती हैं। इसे आप कॉलेज, ऑफिस या रेगुलर दिनों में भी स्टाइल कर सकती हैं। इसके लिए आप प्रिंटेड कुर्ती वियर करेंगी तो ज्यादा अच्छी लगेंगी। साथ ही अगर आपके जींस का कलर लाइट है तो आप डार्क कलर कुर्ती को वियर कर सकती हैं। इससे आपका लुक अच्छा लगेगा। मार्केट में इस तरह की कुर्ती आपको 500 रुपये में मिल जाएगी।

पेप्लम स्टाइल कुर्ती

कुर्ती में काफी सारे नए-नए ऑप्शन मिल जाएंगे। आप इस बार बैल बॉटम जींस के साथ पेप्लम स्टाइल कुर्ती को वियर करें। इसके लिए आप चिकनकारी वर्क वाली कुर्ती को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह का पैटर्न ट्रेंड में भी है और पहनने के बाद अच्छी लगती है। इसे आप किसी भी कलर में खरीदकर ब्लू कलर बैल बॉटम जींस के साथ स्टाइल कर सकती हैं। मार्केट में इस तरह की कुर्ती आपको 250 से 500 रुपये में मिल जाती है।

प्रिंटेड स्ट्रेट कुर्ती

आप बैल बॉटम जींस के साथ आप प्रिंटेड स्ट्रेट कुर्ती को स्टाइल कर सकती हैं। इसमें बड़े प्रिंट भी मिलते हैं। साथ ही इसमें छोटे प्रिंट में भी कुर्ती मिलती है। जिसे आप वियर कर सकती हैं। इसमें लुक एकदम कैजुअल लगता है। साथ ही जब आप इस तरह की कुर्ती को वियर करते हैं तो सुंदर नजर आती हैं। इसे आप किसी भी मार्केट से 200 से 250 रुपये में खरीद सकती हैं।

बैल बॉटम के साथ आप लॉन्ग कुर्ती के साथ-साथ शॉर्ट कुर्ती को भी वियर कर सकती हैं। इसमें भी लुक काफी अच्छा और क्लासी लगता है। इन्हें आप ऑफिस के साथ-साथ डेली भी वियर कर सकती हैं।